भाद्रपद कृष्ण पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 116 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
10 अक्टूबर 2023 मंगलवार

आज का मौसम
34 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मप्र में सियासी माहौल गरमाया, आचार संहिता के साए में शुरू हुई सभाएं

राहुल ने कहा-मप्र भाजपा व आरएसएस की लेबोरेट्री, यहां रोज मरते हैं किसान

भोपाल/शहडोल , दोपहर मेट्रो

मप्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद अब आचार संहिता के साए में राजनीतिक सभाओं का दौर आज कांग्रेस ने शुरू किया है। राहुल गांधी शहडोल के ब्योहारी में सभा करने पहुंचे, उन्होंने मप्र सरकार समेत केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उनके भाषण में ओबीसी की चिंता व मौजूदा समय में उनकी उपेक्षा भी प्रमुखता से रही। राहुल ने कहा कि आडवाणी ने लिखा था कि भाजपा व आरएसएस का सच्ची लेबोरेट्री मप्र में है। मैंने तय किया कि चलकर देखूं कि इस कारखाने में यह लोग क्या पाप कर रहे हैं। मैंने पाया कि यहां मरे हुए लोगों का इलाज होता है, उनका पैसा चोरी होता है। मप्र में शिवजी से चोरी की जाती है, महाकाल कॉरिडोर में चोरी होती है, बच्चों के यूनिफार्म के मामले में पैसे की चोरी होती है। व्यापम में एक करोड़ लोगों के भविष्य को बर्बाद किया गया। मप्र में एमबीबीएस की सीट बिक जाती है। पटवारी बनने के लिए 15 लाख की रिश्वत देनी पड़ती है। भाजपा की इस लेबोरेटरी में हर दिन तीन किसान आत्महत्या कर रहे हैं। जहां भी देखों वहां प्राइवेटाइजेशन का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा भाजपा आदिवासियों से भी भेदभाव करती है और वनवासी संबोधित करती है। उन्होंने आदिवासियों से वादा किया कि उनका पट्टा व जमीन का हक लौटाया जाएगा। विंध्य में भाजपा नेता द्वारा आदिवासी पर पेशाब करने का जिक्र भी राहुल ने किया। पार्टी की जन आक्रोश यात्रा का समापन भी इस मौके पर हुआ। करीब दो महीने पहले पीएम मोदी ने भी इसी अंचल में सभा की थी। खास बात यह है कि भाजपा का काफी समय से विंध्य पर फोकस है, कांग्रेस का 'मिशन विंध्य' भी आज से शुरू हो गया है। राहुल का दस दिन मे यह दूसरा दौरा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत अजय सिंह,अरूण यादव व अन्य नेता यहां मौजूद रहे। इस मौके पर कमलनाथ ने कहा कि मप्र में हर व्यवस्था चौपट है, यहां कृषि से लेकर हर व्यस्था चौपट पड़ी है। अब इस बार मप्र के भविष्य का चुनाव है। अजय सिंह ने कहा कि करीब बीस साल बाद आज ब्योहारी में कांग्रेस की इस तरह की बड़ी सभा हो रही है। बीस साल पहले सोनिया गांधी ने यहां सभा की थी। उन्होंने विंध्य में कांग्रेस के झंडा इस बार बुलंद रहने की बात कही।

प्रदेश की व्यवस्थाएं हुईं चौपटः नाथ का आरोप

कमलनाथ ने कहा कि इस सरकार ने मप्र को चौपट कर दिया। मप्र की कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य व्यवस्था और कई व्यवस्थाएं चौपट हो गई। इस चुनाव में मप्र के भविष्य का फैसला होगा। उन्होंने कहा यह प्रदेश बेरोजगारी में नंबर वन है। मुंह चलाने और प्रदेश चलाने में अंतर है। मप्र हर काम में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए नाथ ने कहा यहां पैसे देकर गरीबी रेखा में नाम जुड़वाया जाता है। शिवराज ने मप्र को रेत माफिया दिया। मप्र में सरकार बनते ही माफिया राज खत्म होगा। हमने 27 लाख किसानों का कर्जा माफ किया। गौशालाओं का निर्माण किया।

अमेरिका ने ईरान को चेताया

इजराइल ने हमास के 17 सौ ठिकाने तबाह किए

नई दिल्ली , एजेंसी।

इजरायल और हमास के बीच जंग का दायरा बढ़ता जा रहा है। अब ताजा खबर यह है कि संयुक्त अरब अमीरात ने सीरिया में असद शासन को हमास-इजरायल युद्ध में हस्तक्षेप न करने या सीरियाई धरती से इजरायल पर हमलों की अनुमति न देने की चेतावनी दी है। वहीं अमेरिका ने ईरान को चेताया है कि वह युध्द में न कूदे। उधर इजराइल ने हमास के 1700 से ज्यादा ठिकाने तबाह कर दिये हैं।

इजरायल इस वक्त पूरी ताकत से आतंकी संगठन हमास की हिमाकत का जवाब देने में जुटा है। इजरायली एयरफोर्स गाजा पट्टी में पिछले 72 घंटे से बम बरसा रही है। इमारतें मलबों के ढेर में तब्दील हो गई हैं। इजरायल ने गाजा में 1707 टारगेट्स को तबाह कर दिया। इसमें हमास के 475 रॉकेट सिस्टम, 73 कमांड सेंटर शामिल हैं। इजरायल ने 23 ऐसी इमारतों पर भी हमला किया, जिनका इस्तेमाल हमास के आतंकी करते हैं. इसके अलावा 22 अंडरग्राउंड ठिकानों को भी तबाह कर दिया गया। इजरायली बम विस्फोटों में 704 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें 143 बच्चे और 105 महिलाएं शामिल हैं। इधर पश्चिमी देशों को एकजुट करने के लिए अमेरिका ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। उसे आशंका है कि युद्ध लंबा चलेगा और इसमें किसी भी वक्त ईरान की एंट्री हो सकती है। हमास ने भी कहा- हम लंबी जंग के लिए तैयार हैं। मगर इस बीच, उन सैकड़ों लोगों की जान आफत में है, जिन्हें हमास के आतंकियों ने बंधक बना रखा है। हमास ने धमकी दी है कि यदि इजरायल ने उसके नागरिकों पर हमले किए, तो वह एक-एक कर बंधकों को मारना शुरू कर देगा।

दिल्ली में सुरक्षा सख्त

वहीं दिल्ली में पुलिस ने इजरायल-हमास संघर्ष के मद्देनजर इजराइली दूतावास और चबाड हाउस के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। चांदनी चौक में स्थित चबाड हाउस के आसपास तैनात पुलिस को कड़ी निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है

हिमाचल में पाक यात्रियों की बस खाई में लटकी

चमौली , एजेंसी।

हेमकुंड साहिब की यात्रा पर पाकिस्तान से आए जत्थे की बस हादसे का शिकार हो गई। यह बस गोविंद घाट गुरुद्वारे की ओर आते समय बस अचानक तेज ढलान पर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे बिजली के तारों के साथ खाई की तरफ लटक गई। गनीमत रही कि बस खाई में नहीं गिरी। जानकारी के अनुसार, बस में 15 महिला, पुरुष व बच्चे सवार थे। बस हादसे की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष गोविन्दघाट पुलिस फोर्स के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने विभाग से बात कर बिजली सप्लाई बंद कराई। इसके बाद सभी यात्रियों को

बस से बाहर निकाला गया। पुलिस द्वारा तत्काल मिली सहायता से संगत खुश हुई और उनका आभार जताया।

कलेक्टर बोले- क्या फोन ही उठाता रहूं, नींद भी आती है

गुना, एजेंसी।

मप्र के गुना कलेक्टर तरुण राठी ने आचार संहिता की घोषणा के बाद बुलाई गई प्रेस कांफ्रेंस में एक सवाल का ऐसा जवाब दिया कि कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया।

दरअसल, राठी से पूछा गया कि आप फोन क्यों नहीं उठाते हैं? इस पर राठी ने सपाट जवाब दिया- 'क्या मैं फोन ही अटेंड करता रहूंगा ! रात को नींद भी आती है। आखिर हम भी तो इंसान हैं। हर इंसान की एक लिमिट होती है।' इस पर एक अन्य मीडियाकर्मी ने कह दिया कि उसका मोबाइल नंबर कलेक्टर ने ब्लैक लिस्ट में डाल रखा है। दरअसल, कलेक्टर राठी पुलिस अधीक्षक विजय खत्री के साथ विधानसभा चुनाव आचार संहिता को लेकर पत्रकारों से रूबरू थे।

नोटिसः भारत-म्यांमार सीमावर्ती क्षेत्र में लगे कर्फ्यू में छूट नहीं

नई दिल्ली , एजेंसी।

मणिपुर में अभी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मणिपुर के टेंग्नोपाल जिला अधिकारी ने भारत-म्यांमार सीमावर्ती क्षेत्र मोरेह में रोजाना कर्फ्यू में दी जाने वाली छूट रद्द कर दी है। टेंग नेपाल के जिला मजिस्ट्रेट किशन कुमार ने एक आदेश जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा, भीड़ के एकत्रित होने की संभावनाओं को देखते हुए दवाओं और भोजन सहित आवश्यक वस्तुओं की खरीद की सुविधा प्रदान करने के लिए सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक दैनिक कर्फ्यू छूट अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है। हालांकि, बाकी अन्य जिलों में सुबह के छह से लेकर शाम के पांच बजे तक कर्फ्यू में छूट जारी रहेगा। यह आदेश कानून एवं व्यवस्था लागू करने में शामिल सरकारी एजेंसियों पर लागू नहीं होगा। सोमवार को भीड़ कुकी-बहुल शहर में एकत्र हुए और मैतेई समुदाय द्वारा उपयोग में किए जाने वाले जगहों को साफ करना शुरू किया, जिससे उन जगहों का इस्तेमाल किया जा सकें। हालांकि, सुरक्षाबलों ने हस्तक्षेप किया, जिससे तनाव और विवाद पैदा हो गया।

आप विधायक अमानतुल्लाह के घर ईडी की दबिश

नई दिल्ली , एजेंसी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के विधायकों की मुश्किलें लगातार बढ रही हैं। आज सुबह एक और विधायक के घर ईडी की टीम पहुंची है। खबरों के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा है। खान के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई चल रही है। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आप विधायक अमानतुल्लाह के खिलाफ दिल्ली वक्फ बोर्ड के कामकाज में वित्तीय हेराफेरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामले केस दर्ज कराया था। इसी मामले में ईडी ने अमानतुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई की है।

खंडवा दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप और ट्रक की भिडंत, 10 घायल

खंडवा। मंगलवार तड़के 4 बजे घटना हरसूद रोड पर रुधि टोल नाके पास पिकअप और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दर्शन के लिए पिकअप में सवार होकर जा रहे 10 ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए। गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया गया है। श्रद्धालु सिवनी मालवा जिले से खंडवा में दादाजी धूनीवाले महाराज के दर्शन करने आ रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही 108 की 4 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

डेंगू से पीड़ित गिल अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल डेंगू से जूझ रहे हैं। शुभमन की तबीयत में अभी सुधार नहीं हो पाया है। वह चेन्नई के अस्पताल में भर्ती हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के डॉ. रिजवान खान की देखरेख में, डॉक्टरों की एक टीम उन पर नजर रखे हुए हैं। जानकारी मिली है कि गिल के प्लेटलेट्स में सुधार नहीं हो रहा है, यही कारण है कि वह टीम के साथ दिल्ली नहीं गए। टीम मैनेजमेंट को मेडिकल एडवाइस दी गई है कि प्लेटलेट काउंट कम होने पर वे उड़ान भरने से बचें। गिल अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे। साथ ही भारत-पाकिस्तान के बीच 14 अक्टूबर को मैच खेला जाएगा। उस मैच में भी गिल के खेलने की संभावना कम है।

मप्र विस चुनाव 2023 | चौथी टिकट सूची में झलकी भाजपा की दुविधा, राजनीतिक तकाजे उधर दिग्गजों का धैर्य

वंश निषेध नियम...भतीजा स्वीकार्य, बेटों से परहेज!

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की चौथी सूची में मप्र में चौंकाने वाला फैक्टर होना ही था, सो फिर है। यह बहुत बारीक कसीदाकारी की तरह 57 नामों में खामोशी से कढ़ा हुआ है। भाजपा हाइकमान ने परिवारवाद के प्रति अपनी घोषित 'वितृष्णा' को इस सूची में 'जीत की तृष्णा' की आंतरिक बेचैनी के तौर पर जाहिर किया है। उसने करीब दो महीने पहले भोपाल मध्य सीट से ध्रुवनारायण सिंह का टिकट तय किया था तो अब चौथी सूची में सिंह के भतीजे विक्रम सिंह को रामपुर बघेलान से टिकट का ऐलान कर दिया गया। भाजपा के अंदरखानों में यह सरगोशी है कि बेटों से परहेज और भतीजों से प्यार का भी कोई सबब है या संयोग या मजबूरी ?

नजरिया
आशीष दुबे

समझौते परत दर परत

जहां तक भाजपा की दुविधा का सवाल है तो उसके लोकसभा व राज्यसभा सांसदों में करीब 15 फीसद 'खानदानी' ही हैं। दस फीसद के आसपास मोदी कैबिनेट में ऐसे मंत्री हैं जो राजनीतिक परिवार की परंपरा के वाहक हैं। इस दुविधा का एक हिस्सा राजनीतिक विरासत का वास्तविक सवाल है तथा इसका प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे के प्रति जनता का लोकप्रिय लगाव भी शामिल होता है। भाजपा इस परिघटना से अछूती नहीं है, मगर वंशवाद के प्रति सख्त बातें और हरियाणा से लेकर गोवा,महाराष्ट्र,कर्नाटक और मप्र से लेकर राजस्थान,हिमाचल के उदाहरणों के बाद भी क्या 'वंश निषेध' नियम चुनिंदा तरीके से उपयोग किया जा रहा है?

शायद परिवारवाद पर पहले समझौते की इबारत पहली सूची में ही लिखी जा चुकी थी, इसीलिए भाजपा ने दस साल से सियासी भंवर में फंसे पूर्व विधायक चाचा ध्रुवनारायण को टिकट देकर उबारा, फिर उनके विधायक भतीजे का नाम जाहिर किया। इस फैसले के बाद पार्टी में अंदरूनी खलबली इसलिए भी है क्योंकि भाजपा में नरेंद्र सिंह तोमर,नरोत्तम मिश्र,गोपाल भार्गव,विजय शाह, कैलाश विजयवर्गीय समेत खुद शिवराज सिंह ने भी अपने बेटों को राजनीति के रास्तों पर आने से रोका नहीं, और बीते दस वर्ष में इनके बेटों ने ही पिता के राजनीतिक क्षेत्र की देखभाल के जरिये खुद की स्वीकार्यता के जतन बड़े करीने से किए हैं। इस पूरे समयकाल में पुत्रों के साथ पिताओं का भी 'राजनीतिक धैर्य' भी काबिलेगौर रहा है। मगर इनकी हसरतों पर हाईकमान का रुख भारी रहा। अपवादस्वरूप सिर्फ कैलाश के पुत्र ही एक बार विधायक बन पाए तो पार्टी ने उन्हें सत्ता की सीढ़ियों से उतारकर संगठन में खपाया।

प्रकारांतर से भाई-भतीजावाद की मुखालफत करती रही भाजपा ने मप्र में भतीजावाद को तरजीह देने का नया संकेत दिया है। भाजपा हाइकमान ने कुछ समय से 'न्यू भाजपा' गढने के लिये मप्र में ही नये चेहरों पर दांव लगाया था, इस प्रयोग को नगरीय निकाय में ज्यादा सफलता नहीं मिली थी। हालांकि राजनीति में नई पीढ़ी के लिए रास्ते तैयार करना दूरगामी निर्णय ही है, लेकिन वंशवाद की की जड़ों को एक झटके में समाप्त करना भी उतना ही मुश्किल है, जितना नई पौध को स्थापित करना। संयोग से कांग्रेस भी इसी दुविधा से जूझ रही है, लेकिन उसने मप्र में परिवारवाद पर सीधे अंकुश की बजाए जयवर्धन सिंह,उमंग सिंघार,हनी बघेल के बाद अब ओंकार सिंह मरकाम,कमलेश्वर पटेल व विक्रांत भूरिया जैसे प्रयोग किए हैं। तो क्या भाजपा की आगामी सूची में सियासी वारिसों की गुंजाइश बन गई है?

शहर में 30 से अधिक कॉलोनियों में की बिजली कटौती

बिजली लाइनों में किया मेंटेनेंस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के अलग-अलग इलाकों में बिजली कंपनी ने आवश्यक मेंटेनेंस शेड्यूल जारी किया है। शेड्यूल के अनुसार शहर में करीब 30 से ज्यादा कॉलोनियों में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली सप्लाई अलग-अलग क्षेत्रों में दो से छह घंटे तक कटौती की गई। बिजली विभाग के अनुसार जरूरत के अनुसार शेड्यूल में बदलाव भी किया जा सकता है।

इन क्षेत्रों में रही बिजली सप्लाई प्रभावित: मंगलवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक-10 नंबर, ई-3, 4, हलालपुरा, ओम नगर, आरके रेसीडेंसी, मनीषा मार्केट, शाहपुरा ए सेक्टर, अमलतास, चांदबड़, मंडी, बजरिया, बीईएस कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में बिजली सप्लाई प्रभावित रही। इसी तरह सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक-ई-5 एवं ई-7 सेक्टर, गौतम नगर, जेजे नुपूर कुंज, 12 नंबर मार्केट और आसपास के क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बंद की गई। इसके अलावा दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक-विजय नगर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली गुल रही। इसके साथ ही सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक-के एल सेक्टर, गीत बंगला, इसरो कॉलोनी और आसपास के इलाकों में 6 घंटे तक बिजली कटौती कर मेंटेनेंस का काम किया गया।

24 घंटे में सरकारी, 48 में सार्वजनिक और 72 घंटे में निजी स्थलों का विज्ञापन हटाना होगा

नगर निगम अमले ने दूसरे दिन भी राजधानी में हटाए बैनर-पोस्टर

दीवारों पर लिखे स्लोगन पर किया पेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होते ही शहर के अलग-अलग स्थानों से बैनर, पोस्टर हटाने का कार्य राजधानी में नगर निगम के अमले ने दूसरे दिन भी किया। शहर में जिन जगहों पर सरकारी योजनाओं के स्लोगन लिखे हुए थे। उन स्लोगनों को ढकने के लिए पेंट किया जा रहा है। चुनाव आयोग के द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप आचार संहिता लागू होते ही समय सीमा में सरकारी दफ्तरों में लगे विज्ञापनों को 24 घंटे के भीतर हटाना जरूरी है। सार्वजनिक स्थलों पर लगे प्रचार प्रसार के संसाधनों को 48 घंटे और निजी स्थलों में लगे विज्ञापनों को 72 घंटे के भीतर हटाना होगा। इधर शहर के सार्वजनिक स्थानों पर लगे होर्डिंग्स हटाने के निर्देश निगमायुक्त ने ननि अमले को दिए हैं। राजधानी में अलग-अलग टीम बनाकर अमला बैनर, पोस्टर हटाने का काम कर रहा है।

ट्रैफिक बल हुआ सक्रिय

मंगलवार को ट्रैफिक पुलिस व अन्य अमला भी सक्रिय रहा। पुलिस के द्वारा वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों के नंबर प्लेटों, व हूटर, सायरन की जांच की गई।

आचार संहिता के दौरान नहीं होगी जनसुनवाई

भोपाल। जिला कलेक्ट्रेट में मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई आचार संहिता की वजह से स्थगित कर दी है। यानी कि यह जनसुनवाई चुनाव होने तक नहीं होगी। आमतौर पर कलेक्टर प्रति मंगलवार लोगों की समस्याओं को सुनते थे। हालांकि सीएम हेल्पलाइन के तहत सुनवाई होती रहेगी।

न्यू मार्केट में महिलाओं के लिए शी-टायलेट और बेबी फीडिंग रूम की सुविधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब न्यू मार्केट क्षेत्र में महिलाओं के लिए शी–टायलेट और बेबी फीडिंग रूम की सुविधा मिलने लगी है।

न्यू मार्केट क्षेत्र में 20 लाख रुपये से एक भवन का निर्माण किया है। इसमें महिलाओं के लिए शी-टायलेट, वाशरूम, ड्रेसिंग रूम, सेनेटरी नैपकिन डिस्पेंसर और बेबी फीडिंग जोन की सुविधा। इसमें महिला कर्मचारियों की नियुक्ति भी की जाएगी। यहां एक महिला गार्ड व एक महिला अटेंडर रहेगी। टायलेट व वाशरूम का उपयोग निशुल्क रहेगा। इसके अलावा नैपकिन व अन्य सुविधाओं का शुल्क चुकाना होगा। न्यूमार्केट में शी-टायलेट के शुरु होने पर व्यापारियों ने महापौर को धन्यवाद देते हुए, बाजार के अन्य स्थानों पर भी इस प्रकार की सुविधा शुरु करने की मांग की है। न्यूमार्केट में खरीदारी करने आने वाले लोगों में 50 प्रतिशत जनसंख्या महिलाओं की होती है। इस सुविधा के शुरु होने से आधी आबादी को बाजार में प्रसाधन की सुविधा सुलभ होगी।

'विरले होते हैं सब कुछ निरंकार में जीवन व्यतीत करने वाले'

कन्हैयालाल को श्रद्धा सुमन अर्पित करने सत्संग सभा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत निरंकारी मंडल ब्रांच बैरागढ़ के श्री कन्हैयालाल साधवानी को श्रद्धांजलि देने के लिए सत्संग का आयोजन किया गया । दिल्ली से महात्मा मनीष खन्ना ने कन्हैयालाल की सेवाओं को महान बताया । उन्होंने कहा कि ऐसे संत विरले होते हैं जो तन, मन, धन निरंकार का समझ कर सेवा भाव का जीवन व्यतीत करते हैं ।

उन्होंने कहा कि महात्मा कन्हैयालालजी की सेवाएं किसी से भी छुपी हुई नहीं थी। दिन-रात एक कर वह सेवाओं को महत्व देते थे । महात्मा कन्हैया लाल जी हमेशा पर्दे के पीछे रहकर सेवाओं को अंजाम देते थे। चाहे वह ब्लड डोनेशन केम्प हो, चल समारोह के दौरान प्याऊ की सेवा अथवा निरंकारी मिशन द्वारा की जाने वाली अन्य अनेक-नेक सामाजिक सेवाओं में इनका का योगदान रहता था ।

कई शहरों से आए संत

इस श्रद्धांजलि सत्संग में भोपाल जोन के जोनल इंचार्ज महात्मा अशोक जुनेजा, उत्तरप्रदेश(बाँदा) के क्षेत्रीय संचालक महात्मा सुरेश सिंह भटीजा, भोपाल जोन के क्षेत्रीय संचालक अखिलेश यादव सहित भोपाल, सीहोर, इटारसी, नसरूलागंज एवं अन्य अनेक स्थानों आए निरंकारी संतों ने कन्हैयालाल साधवानी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धासुमन अर्पित किए

श्रद्धांजलि संगत में संयोजक महेश वीधानी, संचालक अशोक नाथानी, सहायक संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कृपलानी, शिक्षिका सुषमा ग्वालानी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी, लक्ष्मणदास नाथानी सहित बैरागढ़ की साधसंगत और सेवादल के भाई-बहनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

सौरभ कटारिया ने संभाला सीनियर डीसीएम का पदभार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक की जिम्मेदारी सौरभ कटारिया ने संभाल ली है। उन्हें यह जिम्मेदारी रश्मि बघेल के स्टडी अवकाश पर जाने के बाद मिली है। वर्तमान पद के पूर्व कटारिया भोपाल मण्डल में ही वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक वर्ग-2 के पद पर कार्यरत थे। सौरभ कटारिया भारतीय रेल यातायात सेवा बैच-2012 के रेल अधिकारी हैं। कटारिया विगत तीन वर्षों से रेल दावा अधिकरण भोपाल में रजिस्ट्रार के पद पर भी कार्य कर चुके हैं।

बारिश खत्म होते ही शहर के नजदीक आने लगे बाघ, तेंदुए

कॉशमॉश कॉलोनी की बाउंड्रीवाल पर टहलता दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश का दौर खत्म होते ही बाघ, तेंदुए फिर आबादी के नजदीक आने लगे हैं। एक तेंदुआ रविवार रात को शहर की कॉशमॉश कॉलोनी की बाउंड्रीवाल के उपर टहलता हुआ दिखा है। जिसका वीडियों भी वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि बीते 8 दिनों से तेंदुआ क्षेत्र में देखा जा रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दी है। साथ ही लोगों को सलाह दी है कि वे घरों में रात में बाहर न निकले। यदि जरूरी हुआ तो समूह में जाए और साथ में प्रकाश की व्यवस्था रखें। इसी क्षेत्र में पहले बाघों का मूवमेंट भी देखा जा चुका है। असल में भोपाल और आसपास के जंगल में 22 से अधिक बाघ है। इनमें से आधा दर्जन बाघ भोपाल के जंगल के भरोसे ही रहते हैं जो आए दिन भोपाल शहर की आबादी से लगे जंगलों में मवेशी, चीतल, हिरण आदि का शिकार करते हैं।

जोन की बैठक में हुई कई मुद्दों पर चर्चा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को नगर निगम जोन एक की बैठक हुई, जिसमें दुर्गा प्रतिमाविसर्जन एवं विकास कार्य पर चर्चा हुई। बैठक में नगर निगम जोन के समस्त अधिकारी, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी शामिल रहे।

एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारण, तहसीलदार परमार, नगर निगम अधिकारी जोनल अधिकारी विक्रम झा, हेल्थ ऑफिस रवि कांत, जल विभाग सचिन साहू एवं एसआई दिनेश चौहान मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर 'जब दो थे तब भी राम के थे, आज 200 हैं तब भी राम के हैं'

हुजूर से रामेश्वर का प्रत्याशी बनना हिन्दुत्व के साथ विकास के मॉडल पर बीजेपी की मुहर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हुजूर से भाजपा उम्मीदवार के नाम की घोषणा होने के बाद विधायक रामेश्वर शर्मा का युवा सदन पहुंचकर स्वागत किया गया। कहा जा रहा है, हिन्दुत्व के साथ विकास के मॉडल पर भाजपा ने मुहर लाई है। संतनगर में भी उम्मीदवारी घोषित होने पर आतिशबाजी की गई।

भाजपा की चौथी सूची में हुजूर विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक रामेश्वर शर्मा के नाम की घोषणा हुई है। भाजपा ने उन सभी विधायकों को उम्मीदवार बनाया है, जिनकी सर्वे रिपोर्ट और जनता का फीडबैक पॉजिटिव था। शर्मा का नाम घोषित होते ही युवा सदन पर कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने ढोल और आतिशबाजी के साथ जय श्रीराम के जयकारों भी लगाए।

शर्मा ने कहा कि मैं हुजूर के जन-मन को साथ लेकर चलता हूँ। मैं 2013 में भाजपा का जिस दिन से उम्मीदवार बना हूँ उस दिन से हुजूर के सेवक के नाते काम किया है। क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है, जब भी विकास की बात होगी तो उसमें हुजूर विधानसभा नंबर वन बनकर उभरेगी।

हिन्दुत्व के मुद्दे पर राजनीति को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हम जब दो सीट जीते थे तब भी राम के थे, जब 200 जीते तब भी राम के रहे। संतनगर में भाजपाइयों ने रामेश्वर शर्मा की उम्मीदवारी घोषित होने पर खुशी का इजहार किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम रैनवाल बसंल, राहुल राजपूत, मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, दिनेश लालवानी व अन्य कार्यकर्ता ने जमकर आतिशबाजी की।

पहली जंग तो जीती........

भोपाल। टिकट मिलने के बाद समर्थकों के बीच भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र की विधायक कृष्णा गौर, दूसरे चित्र में भगवान के दरबार में साष्टांग दंडवत करते नरेला के विधायक व मंत्री विश्वास सारंग।

आमिर बोले– मैंने लक्ष्मण की भूमिका निभाई तब भी बड़े भाई आरिफ ने बेटे को सौंप दी राजनीतिक विरासत

उत्तर विस में चाचा–भतीजे के बीच टिकट को लेकर घमासान, पशोपेश में कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पूर्व मंत्री व कांग्रेस विधायक आरिफ अकील के परिवार में टिकट को लेकर चली आ रही लड़ाई उजागर हो गई है। विधायक अकील के छोटे भाई आमिर ने बगावत कर दी है। उन्होंने रैली निकालकर कांग्रेस से टिकट मांगा है। इससे कांग्रेस पशोपेश में है। रैली में बड़ी संख्या में उनके परिचित व क्षेत्र के लोग शामिल हुए थे।

आमिर ने कहा है कि उन्होंने हमेशा से बड़े भाई के लिए लक्ष्मण की भूमिका निभाई थी लेकिन जब राजनीतिक विरासत सौंपने की बात आई तो भाई ने ध्यान नहीं रखा और भतीजे आतिफ को आगे कर दिया है।

विधायक अकील उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक है और कांग्रेस की सरकार में मंत्री भी रहे हैं। पिछले कई महीनों से अस्वस्थ्य चल रहे हैं। जिसके चलते उन्होंने अपने छोटे बेटे आतिफ को आगे कर दिया है। 15 अगस्त की रैली में अकील ने इसकी घोषणा की थी। जिसके बाद से उनके छोटे भाई आमिर रूठे हुए हैं। कहा जा रहा है कि शुरू से ही आमिर पर्दे के पीछे रहकर बड़े भाई आरिफ के लिए काम करते रहे हैं। हमेशा से चुनाव प्रबंधन संभालते आ रहे थे।

जीवन भर भाई का सम्मान करूंगा

आमिर ने रैली में कहा है कि उन्होंने बड़े भाई का जीवन भर सम्मान किया है आगे भी करते रहेंगे लेकिन दुख इस बात का है कि घुटनों को पीठ की तरफ मुड़ना था लेकिन वह पेट की तरफ मुड़ गए। उनके कहने का आशय था कि राजनीतिक विरासत उन्हें देनी चाहिए थी, जो कि न देकर अकील ने छोटे बेटे आतिफ को दे दिया। अकील अब क्षेत्र में भी सक्रिय नहीं है। अप्रत्यक्ष रूप से उनके नाम पर क्षेत्र में उनके बेटे और परिवार के लोग ही काम संभालते आ रहे हैं। चूंकि चुनाव होने है इसलिए नौबत राजनीतिक विरासत सौंपने को लेकर आग गई थी। जिसके चलते 15 अगस्त को इकबाल मैदान में पैगामे मोहब्बत रैली बुलाई थी। इसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। तब आरिफ अकील ने कहा था कि जो भीड़ आज जुटी है, वह कभी मेरे लिए जुटती थी। एक तरह से उन्होंने इस रैली में पहली बार अपने छोटे बेटे आतिफ के नाम की घोषणा कर दी थी।

स्कूल शिक्षा महकमे व ट्राइबल विभाग के बीच उलझे शिक्षक

स्कूलों में तबादले के बजाय दी जा रही दो वर्ष की प्रतिनियुक्ति, स्थाई पदस्थापना की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्कूली शिक्षा व्यवस्था में स्कूल शिक्षा और ट्राइबल विभाग के बीच शिक्षक उलझे हुए हैं। ऐसे में शिक्षक संगठनों ने मांग की है कि जनजातीय कार्य विभाग के स्कूलों एवं शैक्षणिक अमले को स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज किया एवं जनजातीय कार्यविभाग से स्कूल शिक्षा में अथवा स्कूल शिक्षा से जनजातीय कार्यविभाग में दो वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर आए शिक्षकों को वर्तमान विभाग में स्थायी पदस्थापना किये जाने के आदेश प्रसारित किए जाए।

दरअसल, प्रदेश में शिक्षकों एवं विद्यालयों के लिए दो समानान्तर व्यावस्थाएं चल रही हैं। अधिकांश विद्यालय स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित हैं, जिससे उनका शैक्षणिक अमला भी स्कूल शिक्षा विभाग के ही नियंत्रण में हैं, परन्तु ट्राइबल क्षेत्र के विद्यालय जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित हैं और इनका शैक्षणिक अमला भी जनजातीय कार्य विभाग के नियंत्रण में है। जनजातीय कार्यविभाग से स्कूल शिक्षा में या स्कूल शिक्षा से जनजातीय कार्यविभाग में शिक्षकों को स्थानांतरण के स्थान पर दो वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर लिया जाता है, प्रतिनियुक्ति की निर्धारित समयावधि व्यतीत होने के पश्चात संबंधित शिक्षक को पूर्व के विभाग में वापस जाना होता है।

प्रमुख सचिव व आयुक्त को लिखा पत्र

शासकीय शिक्षक संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे ने मुख्यमंत्री सहित दोनों विभागों के प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि जब दोनों विभागों का माध्यमिक शिक्षा मण्डल एक है, पाठयक्रम एक है, पद संरचना एक है, तो फिर अलग–अलग विभाग में पदांकन औचित्यहीन है।

पांच वर्षों के बाद फिर से वापस भेज रहे-

शिक्षक संगठन के अनुसार, अगस्त 2019 में जो शिक्षक उपरोक्त व्यवस्था के तहत प्रतिनियुक्ति पर आए थे, अब पांच वर्षों के बाद फिर से वापस उन्हें पूर्व के विभाग में भेजा जा रहा है। चूंकि इन पांच वर्षों की अवधि में संबंधित शिक्षक वर्तमान पदांकित विभाग में व्यवस्थित हो चुका है, अतः अब वापस अपने पूर्व विभाग में जाने पर असुविधा महसूस हो रही है।

दस दिवसीय कैम्प का कल होगा समापन

एनसीसी कैम्प में भोपाल संभाग के 465 एनसीसी कैडेट हुए शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के कान्हांसैया कोकता में 4 एमपी एनसीसी बटालियन के दस दिवसीय कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कैडेट्स को फायर फाइटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित विभिन्न गतिविधियों की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस कैम्प में भोपाल संभाग के 465 एनसीसी कैडेट्स सहित अधिकारी शामिल हो रहे हैं। कैंप का समापन बुधवार को किया जाएगा। इसका शुभारंभ कैंप का शुभारंभ कैम्प कमांडिंग ऑफिसर कर्णल अजय कोहली ने किया था। कर्नल कोहली ने कैंप क्षेत्र के लेआउट, दैनिक दिनचर्या, और प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने स्वास्थ्य और स्वच्छता, अनुशासन, और विभिन्न गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए तैयारी के महत्व पर जोर दिया। आर्म्ड फोर्सेस में ऑफिसर बनने की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

दीवाली के त्योहार पर आचार संहिता के उल्लंघन की आशंका, भाकपा ने की तारीख बढ़ाने की मांग

भोपाल। बीते दिन चुनाव आयोग ने आचार संहिता घोषित कर दी है। मप्र में मतदान के माह में दीवाली सहित अन्य त्योहार भी हैं। ऐसे में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की आशंका है। इसको लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने चुनाव आयोग द्वारा घोषित मध्य प्रदेश विधान चुनाव की तारीख 17 नवम्बर को परिवर्तित कर आगामी 23 नवंबर करने की मांग की है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कॉमरेड अरविन्द श्रीवास्तव और राज्य सह सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने बताया कि मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव का जो कार्यक्रम चुनाव आयोग ने घोषित किया है वह दीपावली जैसे त्यौहारों का समय है। त्यौहारों के कारण राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाएगा और आचार संहिता के उल्लंघन की भी आशंका है। राजनीति में धर्म का दुरुपयोग करने वाले राजनीतिक दल चुनाव प्रचार की अवधि का दुरुपयोग भी कर सकते हैं। इसलिए भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त से अपील है कि चुनाव प्रचार हेतु पर्याप्त अवधि मिलने तथा चुनाव आचार संहिता का प्रभावी ढंग से पालन होने हेतु मतदान की तारीख में परिवर्तन कर मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए मतदान की तारीख 23 या 30 नवंबर निर्धारित की जाए।

मेट्रो एंकर पटवारी परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को पोस्टिंग के लिए करना होगा इंतजार

परीक्षा गड़बड़ी की जांच रिपोर्ट सबमिट नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में मार्च से अप्रैल तक चली पटवारी भर्ती परीक्षा में उम्मीदवारों के चयन और मेरिट लिस्ट में कथित गड़बड़ी को लेकर राजधानी में जमकर हंगामा हुआ था। इसके बाद जांच के आदेश शासन के द्वारा दिए गए थे। जिसकी जांच रिपोर्ट चुनाव आचार संहिता से पहले सबमिट नहीं हो सकी है। ऐसे में आचार संहिता के दौरान कोई भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकेगी। पटवारी परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को अब विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के खत्म होने का इंतजार करना होगा।

मध्य प्रदेश एम्पलाई सिलेक्शन बोर्ड की पटवारी भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी मामले की जांच रिपोर्ट डेट लाइन गुजरने के एक महीने बाद भी पूरी नहीं हो सकी। इधर, मप्र विधानसभा चुनाव की आचार संहिता बीते दिन लागू हो गई। इसके चलते अब पटवारी भर्ती परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ी की जांच रिपोर्ट रिपोर्ट फिलहाल अटक गई है। इसका खामियाजा परीक्षा की मेरिट में आए 8 हजार उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए करीब 3 महीने और इंतजार करना पड़ेगा। गौरतलब है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मप्र हाईकोर्ट से रिटायर जज राजेंद्र कुमार वर्मा को पटवारी भर्ती परीक्षा में हुई गड़बडियों की जांच का जिम्मा सौंपा था। साथ ही जांच रिपोर्ट कंपलीट करने की तारीख 31 अगस्त 2023 तय की थी। बताया जा रहा है कि यह जांच रिपोर्ट सबमिट नहीं हो सकी है। ऐसे में पटवारी भर्ती परीक्षा के चयनित उम्मीदवारों की जल्द ही अप्वाइंटमेंट लेटर मिलने की उम्मीद टूट गई है।

पोस्टिंग ऑर्डर की मांग

चयनित उम्मीदवारों की मांग है कि शासन मामले की जांच कर रहे हाईकोर्ट के रिटायर जज राजेंद्र कुमार वर्मा से चर्चा कर, जांच रिपोर्ट सबमिट कराए। साथ ही परीक्षा में जो उम्मीदवार बिना कोई गड़बड़ी किए मेरिट के आधार पर सिलेक्ट हुए हैं, उनके पोस्टिंग आर्डर जारी कर, संबंधितों को ज्वाइनिंग दे। इसके अलावा जांच रिपोर्ट में जिन उम्मीदवारों के रिजल्ट में गड़बड़ी के सबूत जांच कमेटी को मिले हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। वहीं इस मामले में मध्य प्रदेश एम्पलाई सिलेक्शन बोर्ड के अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार पटवारी भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी की जांच रिटायर हाईकोर्ट जज कर रहे हैं। रिपोर्ट सबमिट नहीं हुई है। इस स्थिति में कोई भी कमेंट करना, जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने की श्रेणी में आएगा। इस कारण मंडल , जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

सुविचार

''सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मजबूत बनाने आती हैं''

-अज्ञात

संपादकीय

राजनीति की नई करवट

देश की राजनीति राजनीति नई करवट ले रही है। बीते तीन महीने इसके गवाह भी हैं और दिलचस्प भी। खासतौर पर सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस व दो दर्जन विपक्षी दलों की एकता तथा पिछडा वर्ग यानि ओबीसी के प्रति गहराती चिंता। माना जा रहा था कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव अपने हिंदुत्व व राममंदिर के मुद्दे के साथ राष्ट्रवाद पर मुखरता से लड़ेगी। इस बीच कांग्रेस ने ओबीसी के प्रति अपनी प्रतिबध्दताओं को हाल के दिनों में जिस मुखरता से उठाया है, वह नया मोड है। कल ही कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में यह बात फिर चर्चा में आई । पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीखें घोषित होने से इसकी अहमियत थोड़ी ज्यादा है। बैठक का अजेंडा भी पहले से तय था। यह निश्चित था कि इसमें कास्ट सर्वे का मसला छाया रहेगा। असल में, बिहार कास्ट सर्वे के नतीजे सार्वजनिक होने के बाद से यह मुद्दा सबकी प्राथमिकता में आ गया है। विपक्ष जहां कास्ट सर्वे से अधिक राजनीतिक फायदा लेना चाहता है, वहीं भाजपा इस मुद्दे की वजह से ओबीसीी वोटरों पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने देना चाहती। कांग्रेस कास्ट सर्वे के पक्ष में खुलकर बोल रही है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से इसे हिंदू समाज को बांटने की कोशिश बताया है, कांग्रेस के भी एक हिस्से में इस पर सतर्कता से आगे बढ़ने की जरूरत बताई जाने लगी। जाहिर है, कोई भी पार्टी इस तरह के बड़े मुद्दे पर बंटे हुए मन से चुनाव में नहीं उतरना चाहेगी। इसलिए कांग्रेस की वर्किंग कमिटी की बैठक में इस मसले पर सोमवार को विचार हुआ। कांग्रेस ही क्यों, विपक्षी गठबंधन इंडिया भी इसके पक्ष में है। इन दलों को लग रहा है कि इसके जरिए वे 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत चुनौती देंगे व हरा भी सकेंगे। हैरानी की बात यह भी है कि कांग्रेस सरकार ने ही कर्नाटक में 2015 में ऐसा एक सर्वे कराया था, जिसकी रिपोर्ट उसे 2018 में मिल गई थी। इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है और अभी भी कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में इसे सामने लाने पर दो राय है। एक वर्ग मानता है कि रिपोर्ट सामने लाई जाए, तो दूसरा लोकसभा चुनाव तक यथास्थिति बनाए रखने की बात कह रहा है। उसे डर है कि रिपोर्ट सार्वजनिक करने पर कहीं लोकसभा चुनाव में नुकसान न हो जाए। असल में, बिहार में पिछड़े और अति पिछड़े तबकों की संख्या राज्य की कुल आबादी का 63 फीसदी दर्ज हुई, उसे देखते हुए अन्य राज्यों में भी कास्ट सर्वे कराने का सीधा मतलब है आरक्षण पर पचास फीसदी की अधिकतम सीमा वाली रोक हटाने के पक्ष में माहौल बनाना। हालांकि यह भी लग रहा है कि यह मुद्दा गरमातार जाएगा तो भाजपा को भी चुनावी रणनीति बदलने की दरकार होगी।

कविता

बदला बदला रुप है !

- कृष्णेन्द्र राय

बदल गए अचानक ।
ज्ञान रहे हैं बांट ।।
बदला बदला रुप है ।
बंद हो गई ठाट ?
लगते कभी कूदने ।
और कभी ख़ामोश ।।
है किसकी रणनीति ?
कहें किसका दोष ।।
ये कैसा व्यवहार ।
करने को उद्धार ।।
लगता चल कर इसी राह ।
है आनी बहार ?
किया कभी अपमान ।
कभी करते प्यार ।।
कर सकते प्रवेश ।
शायद नए द्वार ।।

आज का इतिहास

- 1756 - ब्रिटिश गवर्नर जनरल रॉबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता पर पुनः कब्जे के लिए मद्रास से कूच किया।
- 1846 - ब्रिटिश खगोलविद विलियम लासेल ने नेपच्यून के प्राकृतिक उपग्रह की खोज की।
- 1868 - क्यूबा ने स्पेन से स्वतंत्रता पाने के लिए विद्रोह किया।
- 1910 - वाराणसी में मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में प्रथम अखिल भारतीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था।
- 1924 - शिकागो में स्थित लोयोला विश्वविद्यालय के लेक शोर परिसर में अल्फा डेल्टा गामा बिरादरी की स्थापना की गई।
- 1942 - सोवियत संघ ने आस्ट्रेलिया के साथ अपने राजनयिक संबंध की शुरुआत की।
- 1964 - टोकियो में हुए ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का पहली बार दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया।
- 1970 - फिजी ने स्वतंत्रता हासिल की।
- 1971 - अमेरिका के एरिजोना के लेक हवासु शहर में लंदन ब्रिज को पुनर्निर्मित किया गया। इसे ब्रिटेन से ख़रीदकर तोड़कर अमेरिका लाया गया था।
- 1978 - रोहिणी खादिलकर राष्ट्रीय चेस प्रतियोगिता जीतने वाली प्रथम महिला बनी।
- 1986 - सैन सल्वाडोर में 7.5 तीव्रता वाले भूकंप में 1,500 लोगों की मौत।
- 1990 - अमेरिका का 67वां मानव अंतरिक्ष मिशन डिस्कवरी 11 अंतरिक्ष से लौटा।

देश के 90 फीसदी अनौपचारिक श्रमिकों में से गिग श्रमिकों को क्यों अलग कर रही सरकार

संतोष मेहरोत्रा

देश में कर्मचारियों की दो श्रेणियां हैं-औपचारिक और अनौपचारिक। औपचारिक कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा मानदंडों के अंतर्गत आते हैं, जिन्हें अन्य लाभों के अलावा नियमित मासिक वेतन, अवकाश और बोनस का भुगतान किया जाता है। राष्ट्रीय सर्वेक्षण संगठन के पीएलएफएस (आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण) के अनुसार, इन सभी श्रमिकों का अनुपात 10 फीसदी से कम है। इनमें से आधे सरकारी निकायों में और शेष निजी क्षेत्र में हैं, जो आमतौर पर सेवानिवृत्ति की आयु तक काम करते हैं।

पीएलएफएस द्वारा श्रमिकों को तीन प्रकार से परिभाषित किया गया है-स्व-रोजगार वाले, नियमित वेतन वाले और दैनिक वेतन वाले। नियमित वेतनभोगी श्रमिकों का एक छोटा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा का लाभ पाता है; जबकि अधिकांश स्व-रोजगार, आकस्मिक वेतन पाने वाले और नियमित कर्मचारियों को यह सुविधा नहीं है। कोविड और डिजिटल प्रगति ने एक नए शब्द को जन्म दिया है-गिग वर्कर। ये न कर्मचारी हैं, न नियोक्ता। इन्हें इनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के आधार पर भुगतान किया जाता है। ये काम करने के लिए बाध्य नहीं हैं, न उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्राप्त है। ये फ्रीलांसर होते हैं, जो प्रति घंटे या अस्थायी काम में संलग्न होते हैं। भारत सहित विकासशील देशों में स्व-रोजगार में कार्यरत श्रमिकों की संख्या लगभग आधी है; शेष आधे में से एक-एक चौथाई आकस्मिक और नियमित वेतनभोगी कर्मचारी हैं। प्लेटफॉर्म कर्मचारी गिग श्रमिकों का एक उप-समूह है, क्योंकि ग्राहकों से जुड़ने के लिए ऐप या वेबसाइट का उपयोग किया जाता है। प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर परिवहन क्षेत्र (सवारी ऐप्स), डिलीवरी सेवा (खाद्य और किराना, कूरियर, ई-बाजार सेवाएं, स्वास्थ्य देखभाल आदि); आईटीईएस (सामग्री निर्माता, मीडिया सेवा प्रदाता, डिजिटल विपणक, यूट्यूब विपणक, वेबसाइट डेवलपर्स, मोबाइल ऐप डेवलपर्स) आतिथ्य सेवाओं (जैसे क्लीनर, हाउसकीपिंग, लॉन्ड्री); पेशेवर सेवाओं (प्लंबर/इलेक्ट्रीशियन/बढ़ई/पेंटर; और जैसे शिक्षक/कोचिंग सेंटर/ऑडिटर परामर्श आदि) और लॉजिस्टिक सेवाओं (लॉजिस्टिक एप्स के माध्यम से) में पाए जाते हैं। अधिकांश प्लेटफॉर्म आधारित गिग कर्मचारी के, जो मुख्य रूप से डिलिवरी एजेंट या ड्राइवर हैं, जीवन में कोई विकास या कौशल नहीं होता है। ये लक्ष्य पूरा करने या अतिरिक्त पैसा कमाने के लिए काम करते हैं।

गिग वर्कर्स के लिए अब तक ज्यादा कुछ नहीं किया गया है, क्योंकि अधिकांश श्रम कानून स्व-रोजगार या आकस्मिक वेतन वाले श्रमिकों पर लागू नहीं होते। देश में पहली बार राजस्थान ने हाल ही में गिग श्रमिकों के लाभ के लिए एक प्लेटफॉर्म आधारित कल्याण बोर्ड का गठन करने के लिए कानून बनाया है। पर इसमें अनौपचारिक कार्यबल के विशाल बहुमत को शामिल नहीं किया गया है, जो पारंपरिक स्व-रोजगार, आकस्मिक वेतन श्रमिक और अधिकांश नियमित श्रमिक हैं। केंद्र सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से देश में असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण किया है, जो 28 करोड़ से अधिक पंजीकरण को पार कर गया है। केंद्र सरकार या राज्य स्तर पर उनके लिए कोई सामाजिक सुरक्षा नीति नहीं है, हालांकि संसद द्वारा पारित सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 (नियमों को अधिसूचित नहीं किया गया है, इसलिए यह कानून नहीं है) गिग श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों को लाभ प्रदान करने का वादा करती है। सरकार देश के 90 फीसदी अनौपचारिक श्रमिकों में से गिग श्रमिकों को क्यों अलग कर रही है, यह एक ऐसा प्रश्न है, जिसका उत्तर केवल वही दे सकती है।

यदि देश के 54 करोड़ श्रमिकों में से 91 फीसदी मुख्य सामाजिक बीमा (अर्थात वृद्धावस्था पेंशन, मृत्यु/विकलांगता बीमा, मातृत्व लाभ) से वंचित हैं, तो गिग श्रमिकों के लिए राजस्थान का कानून कोई समाधान नहीं है। देश में दशकों से कई राज्यों में कल्याण बोर्ड और राष्ट्रीय स्तर पर निर्माण और बीड़ी श्रमिकों के लिए अलग से कल्याण बोर्ड बनाकर ऐसे खंडित समाधान आजमाए गए हैं। ये अक्सर मुख्य सामाजिक बीमा की पेशकश नहीं करते हैं। लिहाजा यदि हम अनौपचारिक क्षेत्र की समस्याओं का हल निकालने के बारे में गंभीर हैं, तो सभी अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक बीमा सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में संशोधन करने की आवश्यकता होगी।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस- 11 अक्टूबर, 2023

बालिकाएं कब तक बेचारगी का जीवन जीयेगी?

ललित गर्ग

दुनियाभर में बालिकाओं की बेचारगी को दूर करने, सुरक्षित एवं सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त करने, उनके सेहतमंद जीवन से लेकर शिक्षा और करियर के लिए मार्ग बनाने के उद्देश्य से हर साल 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इस दिन बालिकाओं को उनके अधिकारों, उनके सुरक्षित जीवन और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया जाता है। भारत समेत कई देशों में बालिकाओं को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक बच्ची के जन्म से लेकर परिवार में उसकी स्थिति, शिक्षा के अधिकार और करियर में बालिकाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए जागरूकता फैलाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। एक गैर सरकारी संगठन ने प्लान इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के रूप में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरुआत की। इस एनजीओ ने एक अभियान चलाया, जिसका नाम 'क्योंकि मैं एक लड़की हूं' रखा गया। इस अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने के लिए कनाडा सरकार से संपर्क किया गया। कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 19 दिसंबर 2011 के दिन संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित किया और 11 अक्तूबर 2012 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया और उस समय इसकी थीम ÷बाल विवाह को समाप्त करना÷ था। 2023 की थीम है ÷उसके साथ-एक कुशल लड़की का बल÷।

आज दुनिया में कन्याओं एवं बालिकाओं के समग्र विकास के साथ उनके जीवन को सुरक्षित करना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि छोटी बालिकाओं पर हो रहे अन्याय, अत्याचारों की एक लंबी सूची रोज बन सकती है। न मालूम कितनी अबोध बालिकाएं, कब तक ऐसे जुल्मों का शिकार होती रहेंगी। कब तक अपनी मजबूरी का फायदा उठाने देती रहेंगी। सख्त कानूनों के बावजूद, देश में हर 15 मिनट पर एक बालिका यौन अपराध का शिकार होती है। निर्भया मामले में जनांदोलन के बाद सख्त कानून बनने के बावजूद देश में बलात्कार एवं बाल-दुष्कर्म मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। सुझाव दिए गए हैं कि स्कूली पाठ्यक्रमों में यौन शिक्षा को शामिल किया जाए। लेकिन संस्कृति और परंपरा आदि का हवाला देकर इस तरह के विचारों को दरकिनार किया जाता रहा है। जबकि संवेदनशील तरीके से की गई यौन शिक्षा की व्यवस्था बच्चों को अपने शरीर और उसके साथ होने वाली हरकत को समझने और समय पर उससे बचने या विरोध करने में मददगार साबित हो सकती है।

इस खास दिन मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं यानी नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि महिलाएं भी देश और समाज के विकास में योगदान दे सकें। उन्हें सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए बालिका दिवस के मौके पर कई देशों में कार्यक्रमों का आयोजन होता है। देश में लड़कियों के लिये ज्यादा समर्थन और नये मौके देने के लिये इस उत्सव की शुरुआत की गयी। बालिका शिशु के साथ भेद-भाव एक बड़ी समस्या है जो कई क्षेत्रों में फैला है जैसे शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सीय देख-रेख, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह आदि। सामाजिक लोगों के बीच उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिये और समाज में लड़कियों की स्थिति को बढ़ावा देने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। ये बहुत जरूरी है कि विभिन्न प्रकार के समाजिक भेदभाव और शोषण को समाज से पूरी तरह से हटाया जाये जिसका हर रोज लड़कियाँ अपने जीवन में सामना करती हैं।

समाज में व्याप्त अत्यधिक गरीबी ने बालिकाओं के खिलाफ सामाजिक बुराई जैसे दहेज प्रथा को जन्म दिया है जिसने बालिकाओं की स्थिति को बद से बदतर (बहुत बुरा) बना दिया है। आमतौर पर माता-पिता सोचते है की लड़कियाँ केवल रुपये खर्च कराती है जिसके कारण वो लड़कियों को बहुत से तरीकों (कन्या भ्रूण हत्या, दहेज के लिये हत्या) जन्म से पहले या बाद में मार देते हैं, कन्याओं या महिलाओं को बचाने के लिये ये मुद्दे समाज से बहुत शीघ्र खत्म करने की आवश्यकता है। हम तालिबान-अफगानिस्तान आदि देशों में बच्चियों एवं महिलाओं पर हो रही क्रूरता, बर्बरता, शोषण की चर्चाओं में मशगूल दिखाई देते हैं लेकिन भारत में आए दिन नाबालिग बच्चियों से लेकर वृद्ध महिलाओं तक से होने वाली छेड़छाड़, बलात्कार, हिंसा की घटनाएं पर क्यों मौन साध लेते हैं? इस देश में जहां नवरात्र में कन्या पूजन किया जाता है, लोग कन्याओं को घर बुलाकर उनके पैर धोते हैं और उन्हें यथासंभव उपहार देकर देवी मां को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं वहीं इसी देश में बेटियों को गर्भ में ही मार दिये जाने एवं नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को नौंचने की त्रासदी भी है। इन दोनों कृत्यों में कोई भी तो समानता नहीं बल्कि गज़ब का विरोधाभास दिखाई देता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी बालिकाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

दरअसल छोटी लड़कियों या महिलाओं की स्थिति अनेक मुस्लिम और अफ्रीकी देशों में दयनीय है। जबकि अनेक मुस्लिम देशों में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के लिये सख्त सजा का प्रावधान है, अफगानिस्तान-तालिबान का अपवाद है। वहां के तालिबानी शासकों ने महिलाओं को लेकर जो फरमान जारी किए हैं वो महिला-विरोधी होने के साथ दिल को दहलाने वाले हैं। नये तालिबानी फरमानों के अनुसार महिलाएं आठ साल की उम्र के बाद पढ़ाई नहीं कर सकेंगी। आठ साल तक वे केवल कुरान ही पढ़ेंगी। 12 साल से बड़ी सभी लड़कियों और विधवाओं को जबरन तालिबानी लड़कों से निकाह करना पड़ेगा। बिना बुर्के या बिना अपने मर्द के साथ घर से बाहर निकलने वाली महिलाओं-बालिकाओं को गोली मार दी जाएगी। दूसरे मर्द से रिश्ते बनाने वाली बालिकाओं को कोडों से पीटा जाएगा। महिलाएं अपने घर की बालकनी में भी बाहर नहीं झांकेंगीं। इतने कठोर, क्रूर, बर्बर और अमानवीय कानून लागू हो जाने के बावजूद अफगानिस्तान की पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं बिना डरे सड़कों पर जगह-जगह प्रदर्शन कर रही हैं। दुनिया की बड़ी शक्तियों को इन बालिकाओं के स्वतंत्र अस्तित्व को बचाने के लिये आगे आना चाहिए।

तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। भारत में भी जब कुछ धर्म के ठेकेदार हिंसात्मक और आक्रामक तरीकों से बालिकाओं को सार्वजनिक जगहों पर नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं तो वे भी तालिबानी ही नजर आते हैं। विरोधाभासी बात यह है कि जो लोग बालिकाओं को संस्कारों की सीख देते हैं, उनमें से बहुत से लोग, धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

2 नवम्बर तक नाम निर्देशन पत्र वापस लिए जा सकेंगे

विधानसभा निर्वाचन 2023:9 लाख मतदाता,एक्शन में अफसर

प्रतिबंधात्मक आदेश लागू नर्मदापुरम में चुनाव की तैयारी

नर्मदापुरम,दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में सोमवार को कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह की उपस्थिति में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई,जिसमें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित निर्वाचन शेड्यूल एवं निर्वाचन के लिए प्रशासन द्वारा की गई तैयारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, यूपी जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह,नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा के साथ ही जिले में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचरण संहिता प्रभावी हो गई है। आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए नोटिफिकेशन 21 अक्टूबर शनिवार को जारी किया जाएगा। जिसके साथ ही 30 अक्टूबर तक अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय के निर्धारित स्थान पर प्राप्त किए जाएंगे। 31 अक्टूबर तक प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया जाएगा। अभ्यर्थी 2 नवंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। 17 को मतदान होगा।

जिले का सबसे दूर एवं दुर्गम मतदान केन्द्र है नांदिया

सतपुड़ा पर्वत पर स्थित चौरागढ़ महादेव पर्वत के पीछे स्थित नर्मदापुरम जिला मुख्यालय से 165 कि.मी. की दूरी पर मतदान केन्द्र नांदिया विधानसभा क्षेत्र क्रं. 139 पिपरिया में स्थित हैं। नांदिया मतदान केन्द्र अंतर्गत नांदिया, सूपडोगर एवं विनोरा ग्राम के मतदाता मतदान करने आते हैं। यह शतप्रतिशत जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र हैं।इस मतदान केन्द्र में वर्ष 2018 विधानसभा निर्वाचन में 86.27 प्रतिशत एवं वर्ष 2019 लोकसभा निर्वाचन में 87.37 प्रतिशत मतदान हुआ पुरूषों की तुलना में महिला मतदान का प्रतिशत अधिक रहा।

सी-विजिल एप या दूरभाष पर कर सकते हैं शिकायत

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरन सिंह ने बताया कि ने जिले में कुल 346 क्रिटिकल एवं 45 संवेदनशील मतदान केंद्र चिन्हित किए गए हैं। जहां शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने के लिए पर्याप्त बल की व्यवस्था की जा रही है। अपराधिक तत्वों के विरुद्ध भी लगातार कार्रवाई जारी हैं। आर्म्स एक्ट अंतर्गत कार्यवाही के साथ ही जिले की सीमाओं पर एफएसटी/एसएसटी भी पूरी तरह सक्रिय की गई है। उन्होंने बताया कि विधानसभा निर्वाचन के दौरान कोई भी व्यक्ति निर्वाचन प्रक्रिया में अनियमितता संबंधी शिकायत ''सी-विजिल'' एप के माध्यम से दर्ज करा सकता है। दूरभाष क्रमांक 1950 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। बताया कि निर्वाचन के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया गया है, जिसका दूरभाष क्रमांक 07574 /251292 है।

दिव्यांग बुजुर्ग मतदाताओं को घर में ही मतदान की सुविधा

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पश्चात् जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 940069 हैं, जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 486657 , महिला मतदाताओं की संख्या 453377 एवं 35 अन्य मतदाता है। 18 से 19 वर्ष आयु के नवीन मतदाताओं की संख्या 43603 हैं,जिनमें 23797 पुरुष एवं 19806 महिला शामिल हैं। जिले में 80 प्लस आयु के मतदाताओं की संख्या 10905 है जिनमें 4440 पुरुष एवं 6465 महिलाएं शामिल है। मतदाता सूची का लिंगानुपात 931.62 है एवं ईपी रेशों 66.72 हैं। जिले में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 8988 है जिनमें 5733 पुरुष एवं 3255 महिला शामिल हैं। वहीं सर्विस वोटर की संख्या 1894 हैं।। दिव्यांग और 80 प्लस आयु के मतदाताओं को उनके घर में ही निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। जिसके लिए उन्हें 5 दिन पूर्व 12 डी आवेदन करना होगा।

प्रतिबंधात्मक आदेश लागू

सभी शस्त्र लायसेंस निलंबित कर दिए गए है। लायसेंस धारकों से उनके शस्त्र निकटतम पुलिस थाने में जमा कराने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अंर्तजिला मार्गो पर 13 स्थानों पर नाकाबंदी की गई है। जिले में 6 स्थैतिक निगरानी दल बनाये गये है। जिले की सीमा पर चैक पोस्ट/नाके स्थापित कर स्थैतिक निगरानी दल तैनात किये गये है। जिनके माध्यम से इन मार्गो पर होने वाले आवागमन पर नजर रखी जायेगी। जो अवैध शराब, 50 हजार से अधिक कैश, उपयोगी वस्तुएं आदि की निगरानी की जाएगी। कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत रात्रि 10-00 बजे से सुबह 6-00 बजे तक लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

आधी रात चेक पोस्ट पर पहुंचे कलेक्टर एसपी

नर्मदापुरम। विधानसभा निर्वाचन की प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। आदर्श आचरण संहिता के प्रभावी ढंग से पालन कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचन संबंधी अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसी क्रम में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने सोमवार को जिले का भ्रमण कर विभिन्न चेकपोस्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने बनखेड़ी नरसिंहपुर सीमा पर स्थित ग्राम माल्हनवाड़ा चेक पोस्ट का भी निरीक्षण कर एसएसटी (स्थैतिक निगरानी दल) द्वारा की जा रही वाहनों की जांच प्रक्रिया देखी। इस दौरान उन्होंने वाहनों के जांच संबंधी रजिस्टर का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़नदस्ता टीम को टीम को निर्देशित किया कि चेक पोस्ट पर वाहनों की अच्छे से जांच करें। जिसमें

स्थैतिक निगरानी दल और उड़नदस्ता टीम को वाहनों की सघन जांच करने के दिए निर्देश

अवैध शराब, 50 हजार से अधिक राशि उससे जुड़े दस्तावेज , मूल्यवान वस्तुएं इत्यादि निर्वाचन को प्रभावित करने वाली सामग्री का अवलोकन करें। पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने भी अधिकारियों को वाहनों की जांच के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। धारा 144 के उल्लंघन एवं अपराधिक प्रवृति के व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जाए। उल्लेखनीय है कि वाहनों की जांच के लिए जिले में 13 चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। कलेक्टर एसपी ने सोमवार को देर रात्रि सांडीया बरेली चेकपोस्ट और मटकुली छिंदवाड़ा पोस्ट का भी निरीक्षण करें यहां स्थैतिक निगरानी दल द्वारा की जड़ी वाहनों की जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया।

अफसरों को आदेश : आचार संहिता का अक्षरशः पालन कराएं

नर्मदापुर। सभी अधिकारी कर्मचारी आगामी विधानसभा निर्वाचन के दौरान आर्दश आचरण संहिता का अक्षरशः पालन करें। आर्दश आचरण संहिता का उल्लंघन की दशा में संबंधित अधिकारी कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जाएं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह सोमवार को कलेक्टोरेट में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत के सार्वजनिक स्थानों पर से बैनर पोस्टर, होर्डिंग और दीवार लेखन तत्काल प्रभाव से हटाएं। निजी स्थान पर भी बिना अनुमति के लगाए गए प्रचार सामग्रियों को हटाए। संबंधित एसडीएम,तहसीलदार सहित जनपद एवं नगरपालिका का अमला इस कार्य में जुटें। सभी विभाग प्रमुख भी संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।किसी भी वाहन से योजनाओं से संबंधित प्रचार प्रसार न किया जाएं। अन्यत्र लगे शासकीय वाहनों को भी जिला कार्यालय में सुपुर्द करें। परिवहन विभाग यह सुनिश्चित करें कि अनाधिकृत रूप से वाहनों पर लगे हूटर्स और नेमप्लेट भी हटाएं जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मातृत्व अवकाश को छोड़कर सभी प्रकार के विभागीय अधिकारी या शासन से स्वीकृत अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त रहेंगे। अवकाश पर गए सभी अधिकारी कर्मचारी अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

नवीन कार्य नहीं होंगे प्रारंभ

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रगतिरत निर्माण कार्यों के अलावा किसी भी प्रकार के नवीन कार्य प्रारंभ नही होंगे। विभागीय विश्राम गृह भी अब संबंधित एसडीएम की अनुमति के बिना आरक्षित नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होते ही धारा 144 के तहत धरने और जुलूस पर प्रतिबंध रहेगा।

आदर्श आचार संहिता लागू होते ही शहर में लगे बैनर पोस्ट को निकाला

सिवनी मालवा,दोपहर मेट्रो

सोमवार के दिन के 12 बजे के बाद जैसे ही मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की घोषणा हुई और 17 नवंबर को मतदान की घोषणा उसके बाद ही लगी आदर्श आचार संहिता का पालन करवाने के लिए एसडीम प्रमोद सिंह गुर्जर अपने दल बल के साथ शहर में निकले और जगह-जगह लगे राजनीतिक पार्टियों के बैनर झंडा निकलवा कर चुनाव से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

वहीं सिवनी मालवा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले दूसरे जिलों से सिवनी मालवा विधानसभा में प्रवेश करने वाले चेक पोस्ट भी बनाएं गए हैं। जिनमें पहले चेक पोस्ट डेखना आंवली घाट और पगढ़ाल बेरियल पर बनाया गया है। आचार संहिता लगते ही दो पहिया और चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है वाहन चेकिंग करने के बाद ही उनको शहर में प्रवेश दिया जा रहा है।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी के प्रत्याशियों की नहीं हुई घोषणा

9 अक्टूबर को जैसे ही विधानसभा की चुनाव की घोषणा हुई उसके बाद ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई लेकिन सिवनी मालवा

विधानसभा में कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी के प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की गई है की सिवनी मालवा विधानसभा में कौन प्रत्याशी किस पार्टी से उम्मीदवार होगा यह अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लेकिन सूत्रों की माने तो दोनों ही पार्टियों में उम्मीदवारों की घोषणा चौंकाने वाली रहेगी जिन्हें लोगों ने कभी सोचा भी नहीं होगा ऐसी जन चर्चाओं का विषय भी चौक चौराहों पर है। फिलहाल आम आदमी पार्टी की और से सुनील गौर को अपना विधानसभा प्रत्याशी बनाया गया है।

विस निर्वाचन के लिए धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

हरदा,दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋषि गर्ग ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान जिले में लोक शांति बनाये रखने के लिये दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। जारी आदेश अनुसार कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह इस आदेश के जारी होने के तत्काल पश्चात से किसी भी प्रकार के विस्फोटक पदार्थ, पटाखा, बारूद इत्यादि आग्नेय घातक शस्त्रों, तलवार, लाठी, भाला, बरछी, चाकू इत्यादि का संग्रहण एवं परिवहन विधि संगत अनुज्ञप्तियों के अलावा नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह घातक शस्त्रों, विस्फोटकों, तलवार, लाठी, भाला, बरछी, चाकू का प्रदर्शन जुलूस, रैली एवं सभा में नहीं करेगा। किसी भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के नहीं किया जाएगा। धार्मिक कार्यक्रमों में सभी प्रकार की राजनैतिक गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

मेट्रो एंकर हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे में किया गिरफ्तार

पत्नी से अवैध संबंध बना हत्या का कारण

सिवनी मालवा,दोपहर मेट्रो

विगत दिनों उप नगरी बनापुरा में शराब के नशे में हुई लड़ाई झगड़े में एक व्यक्ति की हत्या हो गई। हत्या के शहर तक जाने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह एवं अतिरक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सिवनी मालवा आकांक्षा चतुर्वेदी के नेतृत्व में थाना सिवनी मालवा पुलिस द्वारा हत्या करने वाले आरोपी की 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया।

दिनांक 05/10/23 को सी. एच. सी. सिवनी मालवा से अरुण उईके पिता भूरा उर्फ शिवचरण उईके उम्र 20 वर्ष निवासी दुर्गा कालोनी बानापुरा को मृत अवस्था में ईलाज हेतु लेकर आने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिस पर थाना

सिवनी मालवा में मर्ग क्रमांक 94/2023 धारा 174 जा.फॉ. पंजीबध्द कर जाँच मे लिया गया। मर्ग जाँच के दौरान मृतक अरूण उईके के परिजन व घटना के साक्षीगण आशीष बरखने, अरुण केवट पूरन केवट से घटना के संबंध मे पूछताछ की गयी जिनके द्वारा बताया गया की मृतक अरुण उईके की उसके घर के पास में रहने वाले उमेश उईके की पत्नी रीना उईके से अवैध संबंध थे जिस कारण से उसका घर पर आना जाना था। घटना दिनांक को मृतक अरूण उईके आरोपी उमेश उईके के घर पर उपस्थित मिला जिस कारण मृतक अरूण एवं आरोपी उमेश के बीच झगडा हुआ और झगड़े में आरोपी उमेश उइक ने मृतक अरुण उईके के साथ डण्डे से मारपीट की थी, जिससे आई चोटो से अरुण उईके की मृत्यु हो गयी। जिस पर थाना सिवनी मालवा में अपराध क्रमांक 559/23 धारा 302 भा.द.वि. पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया

घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया एवं उनके निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी सज्जन सिंह मुकाती के नेतृत्व में टीम का गठन किया जो टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुये आरोपी उमेश उईके पिता प्रहलाद उईके नि0 दुर्गा कालोनी बनापुरा को 24 घण्टे के भीतर गिरफ्तार किया एवं न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सज्जन सिंह मुकाती, उनि नरेन्द्र लिल्हारे, उनि रामेश्वर वर्मा, आरक्षक धर्मेन्द्र राजावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

परिजनों ने लाश रखकर किया चक्काजाम,एसडीओपी एवं एसडीएम की समझइश पर माने

शासकीय जमीन के कब्जे को लेकर दुर्गा प्रसाद ने थाने के सामने तोड़ा दम

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

हरिपुर में शासकीय जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा था दूसरे पक्ष की सुनवाई नहीं होने पर दुर्गा प्रसाद अहिरवार ने सोमवार को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली ।

सूत्रों से मिली जानकारी को अनुसार उसने थाने में एक दिन पहले आवेदन दिया था जिसके बाद उसने कहा था की जमीन को मुक्त नहीं करवाया गया तो मैं जहरीला पदार्थ दिखाकर आत्महत्या कर लूंगा और थाने के सामने ही अपनी जान दूंगा इसके बाद इसी तरह का घटनाक्रम सोमवार को देखने को मिला दोपहर के समय दुर्गा प्रसाद थाने पहुंचा उसने वहीं पर जहरीला पदार्थ खाया जिसके बाद उसकी मृत्यु हो गई ।वहीं परिजनों ने थाने के बाहर लाश को रखकर पुलिस प्रशासन के खिलाफकार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए काफी देर तक हंगामा किया जिन व्यक्तियों ने उसके साथ गलत व्यवहार व जमीन नहीं छोड़ने का मारपीट जन मरने धमकी दी थी उन पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया दुर्गा प्रसाद अहिरवार के परिजनों का आरोप है कि गुड्डी बाई मनोज ,बंटी के द्वारा एक दिन पहले उसके साथ खेत पर पहुंचकर जमीन को लेकर गलत व्यवहार करते हुए जान से मरने जाति सूचक शब्दों का उपयोग करते हुए भगा दिया था इसके बाद थाने में शिकायत करने पहुंचे जहां पर पुलिस ने शिकायत दर्ज करने की जगह पर गलत व्यवहार करके भगा दिया था इसके बाद जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी सेल पास की गोलियां खाने की बात भी परिजनों के द्वारा किया उनका कहना है कि थाने के सामने ही गोलियां खाई है। पॉल्यूशन की आरोपी को निर्धारित बताते हुए कहा कि हमने एक दिन पहले ही कार्रवाई कर दी थी ना ही थाने के सामने ऐसा कुछ हुआ। साथ ही परिजनों का कहना है कि यदि पुलिस ने सुनवाई की होती तो इस तरह की घटना नहीं होती काफी देर तक हंगामा होता रहा एसडीएम हर्षल चौधरी ,एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ने प्रदर्शन कर रहे मृतक के परिजनों को समझा देते हुए कहा कि जो भी शिकायत है। उस पर हम कार्रवाई करेंगे दो लोगों पर एक दिन पहले ही प्रकरण दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है । वकी जांच में आएगा उसे हिसाब से हम आगे कार्रवाई करेंगे मृतक के मजिस्ट्रेट के सामने कथन हुए हैं उसने दो ही नाम बताए थे। पुलिस अपनी कार्रवाई कर रही है ।शासकीय जमीन है और निजी जमीन है तो पीड़ित पक्ष को दिलवाई जाएगी और शासकीय जमीन होगी सीमकान करके बेदखली की कार्रवाई भी होगी कई सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था ।इसमें कुछ जमीन दुर्गा प्रसाद की थी उसे लगी थी जमीन शासकीय उसी के कब्जे को लेकर विवाद बढ़ गया और मृतक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली परिजनों उचित सुनवाई होने के आरोप लगाते हुए शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम प्रदर्शन प्रदर्शन किया दोनों अधिकारियों की समझा इसके बाद प्रदर्शनकारी माने । पुलिस ने बताया कि दुर्गा प्रसाद की शिकायत पर हमने एक दिन पहले ही मनोज और मिथुन पर धारा 294,506,34 एवं एससी एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया था वहीं आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया हमने कोई गलत व्यवहार नहीं किया और ना ही थाने के सामने किसी भी तरह का कोई जहरीला पदार्थ खाया जो भी आरोप है निराधार हैं। मामले की विवेचना चल रही है जो भी सच्चाई सामने आएगी उसके हिसाब से आएंगे कार्रवाई की जाएगी ।

शासकीय जमीन सीमांकन करने के निर्देश, कब्जा करने वालों को किया जाएगा बेदखल

इनका कहना है

एक दिन पहले ही हमने प्रकरण दर्ज करके मामले में कार्रवाई कर दी थी परिजन जो भी आरोप लग रहे हैं उसके हिसाब से हम विवेचना कर रहे हैं। तथ्यो के आधार पर आगे कार्रवाई करेंगे हमने कोई गलत व्यवहार नहीं किया और ना ही कार्रवाई करने से मना किया था।

संदीप सिंह परमार,थाना प्रभारी

इनका कहना है

मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान करवाए है। शासकीय जमीन का सीमाकान करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद उसे पर जिसका भी कब्जा होगा उसको बेदखल किया जाएगा।

हर्षल चौधरी, एसडीएम सिरोंज

उमाकांत शर्मा पर फिर भाजपा ने जताया भरोसा समर्थकों ने की आतिशबाजी, निकाली रैली

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा 4 सूची में सिरोंज विधानसभा क्षेत्र से उमाकांत शर्मा को दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी मौका देते हुए उम्मीदवार घोषित किया जिसकी जानकारी लगते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ गई इनके समर्थकों ने चांदनी चौक पर जमकर आतिशबाजी करके शहर के मुख्य मार्ग से रैली निकालकर जश्न मनाया।

वहीं पिछला विधानसभा चुनाव पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की जगह पर उमाकांत शर्मा को दिया था जिन्होंने 34734 वोटो से कांग्रेस की मर्सरत शाहिद को चुनाव हराकर जिले में सबसे बड़े जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया था इस बार अलग चुनौतियों का सामना भाजपा को भी करना पड़ेगा। कांग्रेस से अभी किसी का चेहरा सामने नहीं आया जल्दी ही कांग्रेस से भी उम्मीदवार घोषित हो सकता है।

विस निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही प्रारंभ

रायसेन,दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। जिले में आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार तत्काल संपत्ति विरूपण की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत संपत्ति के स्वामी की लिखित अनुमति के बिना सार्वजनिक दृष्टि से आने वाली किसी सम्पत्ति को स्याही, खडिया, रेग या किसी अन्य पदार्थ से लिखकर या चिन्हित करके उसे विरूपित करने पर जुर्माने से दण्डनीय हो सकेगा।

जिले में सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

रायसेन,दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन-2023 में शत-प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशानुसार जिले में स्वीप प्लान अंतर्गत मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में सोमवार को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्वीप प्लान के तहत जिले भर के 2100 से ज्यादा शासकीय और अशासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने शहर, गांव और वार्डो में रैली निकालकर नागरिकों को मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। जिला मुख्यालय रायसेन में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, शास.कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल सहित अन्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा अपने हाथों में मतदाता जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखी हुई तख्तियां लेकर रैली निकाली गई।

मप्र विस निर्वाचन-2023 की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावशील 17 नवम्बर को होगा मतदान

03 दिसम्बर को होगी मतगणना जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी निर्वाचन कार्यक्रम तथा आदर्श आचार संहिता की जानकारी

रायसेन,दोपहर मेट्रो

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रेस वार्ता आयोजित कर विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के बारे में अगवत कराया गया।

कलेक्टर दुबे ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-223 की घोषणा के साथ ही तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा निर्वाचन के लिए अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन जमा करने की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 31 अक्टूबर को की जाएगी तथा अभ्यर्थी 02 नवम्बर तक नामांकन वापस ले सकेंगे। विधानसभा निर्वाचन हेतु मतदान 17 नवम्बर 2023 (शुक्रवार) को होगा तथा मतगणना 03 दिसम्बर (रविवार) को की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने विधानसभा निर्वाचन के लिए कार्यवाहियों तथा तैयारियों की जानकारी देते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जनजागृति में पत्रकारों की महती भूमिका है। उन्होंने गत चुनावों में मीडिया की रचनात्मक भूमिका की सराहना करते हुए विधानसभा निर्वाचन में भी सहयोग की अपेक्षा की है। श्री दुबे द्वारा निर्वाचन प्रचार के दौरान अभ्यर्थियों, राजनैतिक पार्टियों आदि के द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले विविध साधनों, माध्यमों तथा खर्च आदि के लिए निर्धारित सीमाओं, अनुमतियों एवं व्यय आदि के लिए आदर्श आचार सहिंता एवं अन्य अधिनियमों में वर्णित प्रावधानों तथा उनके उल्लंघन पर की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए एफएसटी, एसएसटी, वीवीटी, वीएसटी तथा एमसीएमसी कमेटी का गठन किया जा चुका है, जो निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांग मतदाता बिना किसी व्यवधान के अपना मतदान कर सके, इसके लिए विशेष सुविधा की गई है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन संबंधी गतिविधियों की सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आदर्श आचार संहिता, सभाओं एवं वाहनों की अनुमति, प्रकाशकों एवं मुद्रकों के लिए निर्देश, संपत्ति विरूपण अधिनियम सहित आयोग के दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग सहित प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कंट्रोल रूम स्थापित

विधानसभा निर्वाचन कार्य में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय कम्पोजिट भवन में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07482-299310 है। आमजनों की सुविधा हेतु भारत निर्वाचन शाखा में डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर भी स्थापित किया गया है, जिसका टोल फ्री नम्बर 18002339272 तथा 1950 है।

मतदान केन्द्रों की संख्या

प्रेस वार्ता में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने बताया कि जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1226 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। जिनमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-140 उदयपुरा में 308 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-141 भोजपुर में 310 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-142 सांची में 332 मतदान केन्द्र तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-143 सिलवानी में 276 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

मतदाताओं की संख्या

रायसेन जिले में कुल 1007875 मतदाता हैं, जिनमें पुरूष मतदाताओं की संख्या 525474 है तथा महिला मतदाताओं की संख्या 482373 है। अन्य मतदाताओं की संख्या 28 हुई है। जिले में जेण्डर रेशो 918 है तथा ईपी रेशो 65.01 है।
विधानसभावार मतदाताओं की संख्या की जानकारी देते हुए बताया कि उदयपुरा विधानसभा में कुल 262082 मतदाता हैं, जिनमें 136690 पुरूष मतदाता, 125387 महिला मतदाता और 05 अन्य मतदाता शामिल हैं।

मेट्रो एंकर | संपत्ति प्रारूपण की कार्रवाई हुई तेज

आचार संहिता लगते ही प्रशासन का चला डंडा

सिरोंज,दोपहर मेट्रो

दोपहर 12 बजे के बाद जैसे ही आचार संहिता प्रभावी सील हुई तो प्रशासन भी हरकत में आ गया। एसडीएम, एवं निर्वाचन अधिकारी हर्षल चौधरी ने नगर साहित ग्रामीण अंचलों में संपत्ति विरूपण की कार्रवाई करने के निर्देश स्वयं ने भी शहरी क्षेत्र में खड़े होकर इस कार्रवाई को अंजाम दिलवाया एक दिन में ही रिकॉर्ड तोड़ कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में शासकीय स्थान से बैनर पोस्टर, होर्डिंग व शासकीय स्थान पर लिखा नारे आदि को मिटाने का काम किया गया। नगरी क्षेत्र में एसडीएम के साथ नगर पालिका व अन्य प्रशासन अधिकारियों ने अलग-अलग स्थान से कार्रवाई करते हुए बैनर पोस्टर होर्डिंग आदि को हटवाते हुए अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया एक दिन में शहर के कई स्थानों पर कार्रवाई करते हुए इनको जप्त भी किया गया है । शहर के अधिकांश स्थानों से बैनर पोस्टर गायब दिखाई दे रहे हैं।

एसडीएम ने बताया कि शासकीय स्थानों पर संपत्ति विरूपण की कार्रवाई करने के लिए प्रत्येक वार्ड में एक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में कार्रवाई करने के लिए टीम तैनात हैं उसके द्वारा इस करवाई को अंजाम दिया जा रहा है। साथी तीन मतदान केंद्र जो की प्राइवेट थे उनका भी अधिग्रहण किया गया है। जिनमें जैन धर्मशाला और के डी बी एम स्कूल को भी मतदान केंद्र बनाया जाएगा इनको भी अधिग्रहण कर लिया है। वही आचार संहिता के सभी नियमों का कड़ाई से पालन करवाया जाएगा आचार संहिता उल्लंघन कोई भी उल्लंघन करेगा तो उसके खिलाफनिर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार कार्रवाई भी की जाएगी ।

इनका कहना है

आचार संहिता लागू होते ही हमने संपत्ति विरूपण की कार्रवाई करते हुए बैनर पोस्टर, लोडिंग लिखे को हटवा कर उनको जप्त करवाया है। सभी आचार संहिता का पालन करें कोई भी उसका उल्लंघन न करें यदि कोई उल्लंघन करते पाया जाता है तो कार्रवाई भी की जाएगी।

हर्षल चौधरी, निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीम सिरोंज

आदर्श आचार संहिता प्रभावशील स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

रायसेन,दोपहर मेट्रो

राजनैतिक दलों को दी गई निर्वाचन कार्यक्रम तथा आचार संहिता की जानकारीकलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री दुबे ने बैठक में उपस्थित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधानसभा निर्वाचन-2023 कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-223 की घोषणा अनुसार विधानसभा निर्वाचन के लिए अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन जमा करने की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 31 अक्टूबर को की जाएगी तथा अभ्यर्थी 02 नवम्बर तक नामांकन वापस ले सकेंगे।

एशियन गेम्स में अब तक भारत के 10 गोल्ड समेत 39 मेडल

ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी होगी, फ्लैग फुटबॉल और बेसबॉल को भी मिली हरी झंडी

हांगझोउ, एजेंसी

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट भी शामिल किया जाएगा। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक- क्रिकेट के साथ ही फ्लैग फुटबॉल, बेसबॉल और सॉफ्टबॉल को भी इवेंट में शामिल किया गया है। इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट मंगलवार शाम तक लॉस एंजिलिस ओलिंपिक कमेटी कर सकती है। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर चुकी है। इस बारे में ज्यादा जानकारी रविवार से मुंबई में शुरू हो रहे आईओसी के 141वें सेशन में दी जाएगी।

इस बार के एशियन गेम्स में क्रिकेट शामिल किया गया था। भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता। टी-20 फॉर्मेट का क्रिकेट एशियाड में सफल रहा, जिसे देखते हुए इसे ओलिंपिक में भी शामिल किया जा रहा है। इस बार के एशियन गेम्स में क्रिकेट शामिल किया गया था। भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता। टी-20 फॉर्मेट का क्रिकेट एशियाड में सफल रहा, जिसे देखते हुए इसे ओलिंपिक में भी शामिल किया जा रहा है। क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली।

फ्लैग फुटबाल को भी एंट्री: फुटबॉल के बारे में तो दुनिया जानती है। अब लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 के लिए फ्लैग फुटबॉल को एंट्री दी जाने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक- फ्लैग फुटबाल में दोनों टीमों के पास पांच-पांच प्लेयर होते हैं और इसे फुटबॉल का अमेरिकन वैरिएंट कहा जाता है। बेसबॉल और सॉफ्टबॉल को शामिल किए जाने से भी न सिर्फ रेवेन्यू बढ़ेगा, बल्कि टीम स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, मुश्किल ये है कि चार नए खेलों को शामिल करने से गेम्स की ड्यूरेशन काफी बढ़ जाएगी। माना जा रहा है कि ओलिंपिक कमेटी कुछ खेलों के मेडल इवेंट्स कम करके इसकी भरपाई करेगी और ओलिंपिक गेम्स की ड्यूरेशन को बहुत ज्यादा बढ़ाया नहीं जाएगा।

भारत की वजह से शामिल हो रहा क्रिकेट

एक रिपोर्ट के अनुसार हमने जुलाई में ही बता दिया था कि लॉस एंजिलिस ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट की एंट्री बिल्कुल तय है। ओलिंपिक कमेटी भारत की करीब 1.5 अरब आबादी और यहां के फाइनेंशियल रिर्सोसेज को अनदेखा करने की हालत में नहीं है। हालांकि, लॉस एंजिलिस कमेटी और आईओसी के बीच बातचीत में कई बार दिक्कतें भी आईं। इस रिपोर्ट के मुताबिक- भारत में अभी ओलिंपिक ब्रॉडकास्टिंग राइट्स इंडिविजुअल गेम्स पर बेस्ड हैं और इनकी मार्केट वैल्यू तकरीबन 20 लाख डॉलर है। यह आंकड़ा पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिहाज से तय किया गया है। हालांकि, मार्केट एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अगर भारत के क्रिकेट मैचों को शुमार कर लिया जाए तो यह आंकड़ा आसानी से कई गुना ज्यादा हो सकता है। यह पहली बार नहीं है जब ओलिंपिक में क्रिकेट खेला जाएगा। इसके पहले पेरिस ओलिंपिक (साल 1900) में भी क्रिकेट खेला जा चुका है। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने गोल्ड मेडल के लिए सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला था।

मिचेल-यंग ने छोड़े आसान कैच, नीदरलैंड ने 3 मेडन ओवर से की शुरुआत

हैदराबाद, एजेंसी

न्यूजीलैंड का वनडे वर्ल्ड कप 2023 में विजयी अभियान जारी है। टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड के बाद नीदरलैंड को भी एकतरफा मुकाबले में 99 रन से हरा दिया। मैच में न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट के कैच पर कॉन्ट्रोवर्सी हुई। विल यंग और डेरिल मेचिल ने कैच छोड़े। नीदरलैंड ने पहली पारी में 3 मेडन ओवर फेंकने के बाद पारी की आखिरी गेंद पर 13 रन दे दिए। वहीं न्यूजीलैंड टीम ने 2 आसान कैच छोड़े। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में सोमवार 9 अक्टूबर को नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। टीम के गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित किया और शुरुआती 3 ओवर में एक भी रन नहीं दिया, तीनों ओवर मेडन रहे। आर्यन दत्त ने रायन क्लाइन ने एक मेडन फेंका। हालांकि, न्यूजीलैंड ने इस शुरुआत के बाद भी 50 ओवर में 323 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। जिसमें पारी की आखिरी गेंद पर 13 रन भी बने। बास डे लीडे ने 50वें ओवर की आखिरी गेंद कमर के ऊपर नो-बॉल फेंक दी। मिचेल सैंटनर ने इस पर छक्का लगा दिया। अगली गेंद फ्री हिट थी, इस पर भी सैंटनर ने सिक्स मार दिया। इस तरह न्यूजीलैंड को आखिरी गेंद पर 13 रन मिले।

मेट्रो बाजार

त्योहारी सीजन: बिक्री को लेकर 42 दिन होपफुल

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत में सितंबर 2023 में गाड़ियों की बिक्री में सालाना आधार पर 20.36त्न की ग्रोथ देखने को मिली है। पिछले महीने 18 लाख 82 हजार 71 व्हीकल्स बिके हैं। वहीं पिछले साल सितंबर में 17 लाख 70 हजार 181 व्हीकल्स बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने व्हीकल सेल्स की रिपोर्ट जारी की। सबसे ज्यादा 48.58त्न की ग्रोथ थ्री-व्हीलर की सेल्स में देखी गई है। पिछले महीने देश में कुल 1 लाख 2 हजार 426 थ्री-व्हीलर बिके हैं। एक साल पहले इसी महीने में 68,937 थ्री-व्हीलर बिके थे।

वहीं, कॉमर्शियल सेगमेंट में सालाना 4.87त्न की ग्रोथ देखी गई है। पिछले महीने देश में 80,804 कॉमर्शियल व्हीकल बिके। सितंबर 22 में 77,054 व्हीकल बिके थे।

मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1.39 लाख कारें बेचीं

पैसेंजर व्हीकल की बात करें तो मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1.39 लाख कारें बेची हैं। इसके साथ ही मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर सालाना आधार पर 39.82त्न से बढ़कर 42.03त्न हो गया है। पिछले साल सितंबर में कंपनी ने 1.11 लाख कारें बेची थीं। पिछले महीने सालाना आधार पर ट्रैक्टर की बिक्री में 9.66त्न की गिरावट आई है। सितंबर में कुल 54,492 ट्रैक्टर बिके, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 60,321 ट्रैक्टर बिके थे। प्रेसिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि 14 अक्टूबर को श्राद्ध अवधि खत्म हो रहा है। उसके बाद नवरात्र शुरू होंगे। कुल 42 दिन के त्योहार दौरान हम बिक्री को लेकर होपफुल हैं। हमें उम्मीद है कि यह त्योहारी सीजन ऑटो रिटेल सेक्टर के लिए शानदान होगा।

भारत में अपना स्ट्रीमिंग बिजनेस बेच सकती है डिज्नी

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका का स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डिज्नी भारत में अपने टेलीविजन और स्ट्रीमिंग बिजनेस को बेचने की तैयारी कर रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी की गौतम अडाणी, सन टीवी के ऑनर कलानिधि मारन और कुछ प्राइवेट इक्विटी फर्म से बातचीत चल रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि डिज्नी इस डील में केवल अपने कुछ ऑपरेशन या ऑपरेशन और एसेट्स दोनों बेच सकती है। फिलहाल यह डील अपने शुरुआती स्टेज में है। यह आगे बढ़ेगी या नहीं इसकी जानकारी नहीं है। कंपनी की ओर से भी इसको लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। डिज्नी को रिलायंस के इस फील्ड में एंटर करने के बाद कॉम्पिटिशन मिल रहा है। स्ट्रीमिंग इंडस्ट्री में रिलायंस के जियो सिनेमा ने इस मार्केट को और टफ बना दिया है। अंबानी की कंपनी जियो सिनेमा अपने प्लेटफॉर्म पर इंडियन प्रीमियर लीग को फ्री में टेलीकास्ट करती है। पहले ब्रॉडकास्टिंग राइट्स डिज्नी के पास थे, जिसके लिए वह सब्सक्रिप्शन फीस चार्ज करती थी। डिज्नी ने मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के नतीजे घोषित करते हुए बताया था कि उसे भारत में स्ट्रीमिंग ऑपरेशन से 3,245 करोड़ रुपए के रेवेन्यू में 345 करोड़ का नुकसान हुआ।

भारत वर्ल्ड कप का दूसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली में खेलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा वर्ल्ड कप मैच मिस करेंगे। बीसीसीआई ने बताया कि शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ अगले मैच के लिए टीम के साथ दिल्ली ट्रैवल नहीं कर रहे हैं। वे इस समय मेडिकल टीम के साथ चेन्नई में ही रहेंगे। भारत वर्ल्ड कप का दूसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली में खेलेगा। गिल पाकिस्तान के खिलाफ अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को होने वाले मैच में खेल सकते है। चेन्नई में खेले गए अपने पहले मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया था। डेंगू के कारण गिल भारत का पहला मैच भी नहीं खेले थे। गिल की जगह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ईशान किशन ने मैच में ओपनिंग की थी और बिना खाता खोले ही आउट हो गए थे। 6 दिन पहले बताया था कि पहले मैच के लिए चेन्नई पहुंचने के बाद से शुभमन को तेज बुखार था। उनके टेस्ट किए गए तो डेंगू होने का पता चला। शानदार फॉर्म में हैं। गिल 2023 में वनडे में भारत के टॉप स्कोरर हैं। इस ओपनर ने 2023 में 20 वनडे मैचों में 72.35 की औसत और 105.03 की स्ट्राइक रेट से 1,230 रन बनाए हैं।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने स्टेडियम में खेला प्रैक्टिस मैच

धर्मशाला की पिच पर स्पिनर की फिरकी

धर्मशाला, एजेंसी

धर्मशाला के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वर्ल्ड कप डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच मैच होगा। बांग्लादेश टीम के स्पिन बॉलिंग कोच रंगना हेराथ ने कहा कि धर्मशाला आउटफील्ड को देखते हुए पहले मैच की तर्ज पर खेलेंगे। आउटफील्ड को लेकर चाहे जो भी कमेंट किया गया है, हम पहले मैच की तरह ही खेलेंगे। पिच के अकॉर्डिंग ही स्पिनर गेंदबाजों का प्रयोग किया गया। कोच ने कहा कि बांग्लादेश टीम में तेज गेंदबाजी की जरूरत होगी तो टीम प्लान के तहत उन्हें मैदान में उतारा जाएगा। पहले मैच की तरह ही पॉजिटिव बॉडी लैंग्वेज के साथ ही खेलेंगे और बांग्लादेश के खिलाड़ी मैच को जीतने के उद्देश्य से धर्मशाला के मैदान में एक बार फिर से उतरेंगे। वर्ल्ड कप के अन्य मुकाबले भी हम देख रहे हैं, जिसमें अलग-अलग रिजल्ट देखने को मिल रहे हैं। इसलिए हम भी मैचों के लिए तैयार हैं। स्पिन बॉलिंग ने पिछले मैच में बेहतरीन खेल दिखाया है, जिससे पूरी टीम बहुत खुश है। आउटफील्ड को लेकर कहा कि यहां ज्यादा बारिश रहती है, जिसके कारण भी ऐसा रहा है, लेकिन हम कई मैदान में उतरते हैं तो इसमें कोई कमी नहीं रहती है। पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को हराने के बाद बांग्लादेश की टीम का मनोबल इस समय बड़ा हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे मैच से पहले बांग्लादेश की टीम ने सोमवार शाम के सत्र में नेट्स पर जमकर पसीना बहाया। धर्मशाला के खूबसूरत मैदान पर पहले मैच में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया था। मैच से पहले इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने जहां सुबह के सत्र में नेट प्रैक्टिस की, वहीं दोपहर बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस सत्र में भाग लिया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आलिया भट्ट बोली- साड़ी दुनिया का सबसे आरामदायक आउटफिट है...

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी शादी के मौके पर लहंगे की जगह साड़ी पहनने की वजह बताई। एक्ट्रेस ने कहा कि वह साड़ी में खुद को बेहद कंफर्टेबल महसूस करती हैं। उन्हें साड़ी पहनना बेहद पसंद है, यही वजह थी कि उन्होंने शादी के मौके पर साड़ी ही पहनी। दरअसल, आलिया ने 14 अप्रैल 2022 को एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। इस मौके पर उन्होंने सब्यसाची की आइवरी साड़ी पहनी थी। वोग को दिए इंटरव्यू में आलिया ने अपने वेडिंग आउटफिट के बारे में बात करते हुए कहा- 'मुझे साड़ी पसंद है। यह दुनिया का सबसे आरामदायक आउटफिट है, यही वजह है कि मैंने अपनी शादी में लहंगा नहीं, बल्कि साड़ी को चुना।' कपड़ों के सिलेक्शन के बारे में बात करते हुए आलिया ने कहा कि महिलाओं के पास ढेरों स्टाइलिंग ऑप्शन हैं। उन्हें इसका बहुत फायदा होता है। आलिया ने कहा- 'मेरा मानना है कि एक महिला हेने की खूबसूरती यही है कि आप हर समय अलग-अलग तरह के कपड़े पहन सकती है।

शूटिंग के दौरान मिले थे दोनों

शिवांगी मेरी जिंदगी के लिए लकी साबित हुईं- शक्ति कपूर

शक्ति कपूर ने हाल ही में अपनी पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे के बारे में बात की। एक्टर ने कहा कि वह शिवांगी ही थीं, जो उनकी जिंदगी में दौलत और शोहरत लेकर आईं। शक्ति कपूर ने बताया कि कैसे उनकी पत्नी ने अपना एक्टिंग करियर छोड़ दिया, क्योंकि वह एक हाउस वाइफ चाहते थे। दरअसल, हाल ही में शक्ति कपूर टाइमआउट विद अंकित पॉडकास्ट में पहुंचे थे। इस दौरान एक्टर ने अपनी लव स्टोरी बताई। शक्ति कपूर ने कहा कि उनकी पत्नी एक चाइल्ड आर्टिस्ट थीं और उनकी मुलाकात एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई थी। शिवांगी शक्ति कपूर से 12 साल छोटी थीं, वह उनसे एक फैन के तौर पर मिली थीं। उस दौरान उन्होंने एक्टर के साथ फोटो भी क्लिक करवाई थी।

शिवांगी को ऑफर हुई थी फिल्म लैला

शक्ति कपूर ने कहा- फिर हम मिले और प्यार हो गया। मैं समझ गया था कि इतनी खूबसूरत और घरेलू लड़की मुझे नहीं मिलेगी। इस तरह हमने एक-दूसरे को पसंद करना शुरू किया। मैं उनके प्यार में पड़ गया था, इसलिए काम से ध्यान भटकने लगता था। मुझे डर था कि हमारे रिलेशनशिप का असर मेरे काम पर पड़ सकता है। लोग उन्हें फिल्म ऑफर करने लगे थे। उन्होंने सावन कुमार की लैला साइन की।

सुनील शेट्टी बोले- अन्ना की उपाधि संजय दत्त ने दी थी

सुनील शेट्टी और संजय दत्त जल्द ही 'स्टार वर्सेज फूड सर्वाइवल' के पहले एपिसोड में नजर आएंगे। इस शो को शेफ रणवीर बरार होस्ट करेंगे, शो का पहला एपिसोड 9 अक्टूबर को रिलीज होगा। सुनील ने हाल ही में इस शो को लेकर अपना एक्सपीरियंस साझा किया। साथ ही एक्टर ने इंडस्ट्री में खत्म होती एकता का जिक्र भी किया। सुनील शेट्टी से जब संजय दत्त के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा- 'बहुत से लोग नहीं जानते हैं कि अन्ना की उपाधि मुझे संजय दत्त ने ही दी थी। हम 'कांटे' की शूटिंग कर रहे थे, तब मेरा स्टाफ मुझे बड़े भाई की तरह अन्ना कहकर बुलाता था। संजय ने भी मुझे अन्ना कहना शुरू कर दिया।'

हम एक शानदार कॉम्बिनेशन हैं

एक इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने कहा- 'हम (संजय दत्त और सुनील) एक शानदार कॉम्बिनेशन हैं। संजय दत्त के साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आया। हम दोनों की राशि सिंह है और दोनों ही नेचर लवर हैं। मुझे लगता है कि हमने साथ में एक खूबसूरत समय बिताया है।' सुनील ने आगे कहा- 'मुझे याद है जब 9/11 हुआ था, तब हम लॉस एंजिल्स पहुंचे ही थे। हमें यूनिट के करीब रहना था, बाहर नहीं निकलना था। वह कठिन समय था। तब हमें अलग तरह से देखा जाता था। उस मुश्किल समय में हम साथ रहे और एक दूसरे की ताकत बने।' शूटिंग के दिनों को याद करते हुए सुनील ने कहा- 'हम साथ में खाना खाते थे और हमने बहुत सी खूबसूरत यादें बनाईं। संजय दत्त के साथ मेरा रिश्ता बेहद खास है। हम एक-दूसरे की जिंदगी का हिस्सा हैं और आज भी साथ हैं।' फिल्म इंडस्ट्री से पुराने दौर की तुलना करते हुए सुनील ने कहा- 'पहले के समय में मैग्जीन पढ़ने वालों को यह पता होगा कि एक्टर्स अक्सर ब्रेक के दौरान एक साथ समय बिताने के बारे में बात करते थे।

रोहित नगर का मामला

डीएसबी के हवलदार की बेटी ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित रोहित नगर फेस वन में डीएसबी के हवलदार की बेटी ने सोमवार दोपहर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हवलदार की बेटी घटना से थोड़ी देर पहले ही स्कूल से लौटी थी। फांसी के फंदे पर लटका देख् परिजन उसे फंदे से उतारकर पास स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई थी बच्ची पढ़ाई को लेकर तनाव में थी और परिजन मनोचिकित्सक के पास उसका इलाज भी कर रहे थे।

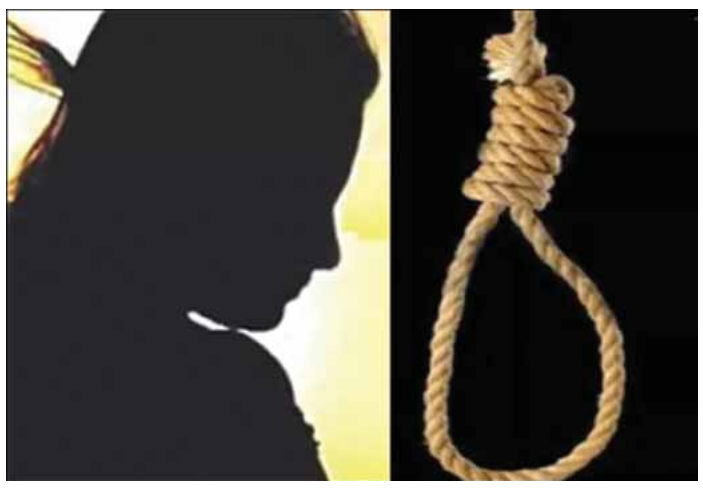

पुलिस के अनुसार इशिता कुशवाहा पिता महेंद्र कुशवाह (14) मकान नंबर 415 रोहित नगर फेज 1 में रहती थी। इशिता के पिता महेंद्र कुशवाहा डीएसबी में हवलदार है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक छोटा बेटा और 14 साल की बेटी इशिता थी। इशिता कक्षा आठवीं में पढ़ती थी। करीब 15 दिनों से इशिता की तबीयत ठीक नहीं थी वह तनाव में रहने लगी थी। महेंद्र कुशवाहा उसे लेकर मनो चिकित्सक के पास पहुंचे थे वहां काउंसलिंग कराई। उन्हें दोबारा काउंसलिंग कराने मनोचिकित्सक के पास जाना था। वह किसी कारण से मनोचिकित्सक के पास जा नहीं सके।

स्कूल से लौटी थी इशिता

सोमवार दोपहर करीब 2.30 बजे इशिता स्कूल से लौटी थी। इस दौरान घर पर महेंद्र भी थे। उनकी पत्नी ने बोला कि इशिता अभी थोड़ी देर पहले ही स्कूल से लौटी है वह अंदर कमरे में कपड़े बदल रही है मैं उसे देखकर आती हूं। मां इशिता को देखना उसके कमरे में पहुंची थी, तभी उन्होंने इशिता को फांसी के फंदे पर लटके देखा। उनके शोर मचाने पर महेश महेंद्र कुशवाहा पहुंचे और इशिता को फंदे से उतर कर निजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही इशिता को प्राथमिक जांच में मृत घोषित कर दिया।

तुलसी टॉवर के पास सड़क हादसा, टक्कर के बाद कार के ऊपर चढ़ी कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तुलसी टावर के पास सड़क हादसा, टक्कर के बाद कार के ऊपर चढ़ी कार भोपाल, नवदुनिया प्रतिनिधि। राजधानी के टीटी नगर थाना इलाके में लिंक रोड नंबर दो पर रविवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। तुलसी टावर के पास दो तेज रफ्तार कारों की टक्कर हो गई। हादसा इतना जबर्दस्त था कि एक कार उछलकर दूसरी कार के ऊपर चढ़ गई। टक्कर होते ही दोनों कारों के एयरबैग खुल गए। इस वजह से कार में सवार लोगों को ज्यादा चोट नहीं आई। दो लोगों को मामूली चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। इसकी वजह से मार्ग पर थोड़ी देर के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन बुलवाकर दोनों कारों को मार्ग से हटवाया। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है।

वॉन्टेड बदमाश को स्पेशल ट्रीटमेंट देने का वीडियो वायरल

भोपाल। हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे बदमाश को पुलिस ने बीते दिन गिरफ्तार कर लिया। उस पर पांच हजार रुपए का इनाम भी था। बदमाश जुबेर मौलाना को पुलिस कस्टडी में स्पेशल ट्रीटमेंट देने का एक वीडियो सामने आया है। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर ऐशबाग इलाके में जुलूस निकाला गया तो उसके चेहरे पर मुस्कुराहट थी। इसके बाद पुलिस टीम उसे अवैध हथियार की सर्चिंग के लिए उसके घर ले गई। आधे घंटे तक वह मां के साथ बातचीत करता रहा। उसके मामा बाबू मस्तान ने उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इधर, वीडियो सामने आने के बाद पूरे मामले को लेकर पुलिस के अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

पटरी के पास मिली युवक की लाश, नहीं हो सकी पहचान

भोपाल। ऐशबाग थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। अब तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। ऐशबाग थाना पुलिस के मुताबिक शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी देर रात 12 बजे खबर मिली थी कि ऐशबाग स्थित बरखेड़ी फाटक रेलवे पटरी के पास एक युवक की लाश पड़ी हुई है। पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन उसकी उम्र करीब 25 वर्ष होना बताई जा रही है।

जमानत पर छूटकर आए बदमाश ने युवती से किया दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके लिव इन पार्टनर पर मामला दर्ज किया है। युवती का आरोप है कि लिव इन पार्टनर उसका दहेज शोषण कर रहा था। शादी का दबाव बनाने पर मारपीट भी कर रहा था। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामला दश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 23 साल की युवती गोविंदपुरा इलाके में रहती है। पीड़ति ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि अगस्त 2023 में उसने यश लालवानी ऊर्फ बबलू बंगाली के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कराया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सितंबर में उसकी हाई कोर्ट से जमानत हो गई। वह जमानत पर छूट कर आया था। इस दौरान युवती से उसकी दोबारा मुलाकात हुई। युवती के पास रहने का ठिकाना नहीं था और वह यश लालवानी के साथ उसके मकान में रहने लगी। युवती का आरोप है कि 3 सितंबर 2023 को यश लालवानी में उससे दुष्कर्म का प्रयास किया था। युवती ने विरोध किया था और आरोपी ने उसे छोड़ दिया। 2 अक्टूबर को आरोपी ने मकान के ऊपर वाले कमरे में ले जाकर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए और विरोध करने पर मारपीट भी की। 3 अक्टूबर को भी इसी तरह की घटना युवती के साथ हुई। घटना की शिकायत युवती ने यश लालवानी के पिता से की थी। उन्होंने कहा था तुम्हारा आपसी मामला है आपस में निपटो। इसके बाद युवती थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उधर, बागसेवनिया इलाके में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपित और पीड़िता दोनों एक इंटरनेट मीडिया के एप के माध्यम से दोस्त बने थे। आरोपित ने उसे शादी का झांसा देकर करीब एक साल तक संबंध बनाए। पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय अपने स्वजनों के साथ में रहती है, उसकी पढ़ाई पूरी हो गई है। दिसंबर 2022 में फेसबुक पर उसकी दोस्ती आरोपित डेनियल अरनाल्ड से हुई। दोनों के बीच जब बातचीत होने लगी तो दिसंबर 2022 मे डेनियल ने युवती को अपने घर पर बुला लिया। यहां पर उसने युवती के सामने प्रेम का प्रस्ताव रखा और शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पातालकोट एक्सप्रेस से महिला का पर्स चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदात थमने का नाम नही ले रही है। ग्वालियर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक का सफर कर रही महिला का स्लीपर कोच से अज्ञात बदमाश ने बैग चुरा लिया। बैग में साढ़े 35 हजार रुपए के जेवरात थे। जीआरपी भोपाल ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जीआरपी के अनुसार राधा गोयल अपने बेटे निकेश गोयल के साथ ग्वालियर से रानी कमलापति आने के के लिये ट्रेन 14624 पातालकोट एक्सप्रेस के कोच स/7 बर्थ न.75,77 में बैठी थी। उनका रिजर्वेशन था। सफर के दौरान उन्होंने अपना हैण्ड बैग ख़?की के पास टांग दिया। झाँसी स्टेशन निकलने के बाद वह सो गई थी। भोपाल स्टेशन आने से करीब तीस मिनट पहले उनकी नींद खुली तो उनका हैंड बैग की चैन बंद थी। उन्होंने चेन खोलकर मंगलसूत्र एवं छोटा पर्स चेक किया तो बैग में नहीं था। उन्होंने बताया कि मंगलसूत्र सोने का वजनी सात ग्राम 12 नग मोती लगा कीमती 35,000/रू का छोटा पर्स पर 400/रू कुल कीमती 35,400 किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी किया है।

रंजिश में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, अस्पताल में चल रहा इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित फिरोज गांधी कांप्लेक्स के सामने रविवार रात दो बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। युवक और आरोपियों के बीच पुराना विवाद था। चाकू गले के पास और हाथ में लगने से युवक को गंभीर चोट आई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गौरव शर्मा पिता अनिल शर्मा (23) रिंग गार्डन जी-16 करोंद निशातपुरा में रहता है और प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि दो साल पहले मेरे पिता अनिल शर्मा के साथ गर्वमेंट क्वार्टर फिरोज गांधी काम्प्लेक्स एलआई-12 में रहता था। उस समय काम्प्लेक्स में रहने वाले नेहा पिता बिरजु मिथोला से पहचान हो गई थी। रविवार रात नेहा मिथोला ने बात करने के लिए अनिल को कॉल किया था। मोबाइल पर बात करने के बाद नेहा ने उसे फिरोज गांधी कांप्लेक्स बुलाया। गौरव जब कांप्लेक्स के सामने पहुंचा तो वहां बिरजु मिथोला, जतिन मिथोला व मनीश खड़े थे। सभी गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इसी बीच जतिन ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू गौरव के कान के नीचे और बांए हाथ में लगा है। मारपीट होती देख अज्जू यादव व याकूब पान वाले ने बीच बचाव करते हुए गौरव को बचाया। चाकू लगने से गौरव को गंभीर चोट है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

निगरानी बदमाश ने मवेशी को मारा चाकू

भोपाल। अयोध्या नगर स्थित शुक्ला क्रशर झुग्गी बस्ती में रविवार रात एक बदमाश ने मवेशी पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू मवेशी के पेट में लगने से उसे गंभीर चोट आई है। नगर निगम के वाहन से मवेशी को इलाज के लिए पशु चिकित्सालय, जहांगीराबाद पहुंचाया गया, वहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने उक्त मामले में मोहल्ले में रहने वाले एक समाज सेवी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में आधा दर्जन अपराध दर्ज हैं। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। एएसआई सचिन बेदरे ने बताया कि शुक्ला क्रशर झुग्गी बस्ती से कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी कि इलाके के बदमाश बंटू उर्फ मंटू उर्फ राहुल रैकवार द्वारा शराब के नशे में गदर की गई और मवेशी पर चाकू से हमला किया गया है। पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मवेशी को इलाज के लिए नगर निगम की गा?ी से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उक्त मामले में शुक्ला क्रशर बस्ती में रहने वाले रामचरण की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी राहुल रैकवार को गिरफ्तार कर लिया है।

मेट्रो एंकर हरि नगर कॉलोनी के सूने मकान में चोरी

कोचिंग क्लास संचालक के घर से जेवरात सहित नकदी कर चोरों ने किया हाथ साफ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित हरि नगर कॉलोनी में कोचिंग संचालक के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश चार हजार रुपए की नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गए। बदमाश उनके घर से करीब पचास हजार रुपए का माल चुराकर ले गए हैं। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार अरुण परमार मकान नंबर 358 हरीनगर कालोनी नीलबड में रहते हैं। वे बिल्किसगंज में एक्पर्ट कोंचिग क्लासेस का संचालित करते हैं। 7 अक्टूबर की शाम छह बजे वे नीलबड से बिल्किसगंज कोचिंग चले गए थे। उन्होंने घर में दो ताले लगाये थे। कोचिंग क्लासेस मे पढ़ाने के बाद वह अपने पुस्तैनी मकान पर रुक गया। सोमवार शाम करीब 5 बजे वह नीलबड़ पहुंचे तो घर के दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ था। घर के अन्दर सामान बिखरा पड़ा था। साथ ही अलमारी का लाक टूटा था। बदमाश अलमारी से चार हजार रुपए की नगदी एक सोने की चेन, एक जोड़ी कान के सोने के रिंग.तथा दो चांदी की अगुठी नहीं थी। इसी थाना क्षेत्र में रहने वाले मनोज राठौर पिता सीताराम राठौर (32) मकान नंबर-14 लेकव्यू कालोनी नीलबड में रहते हैं और ईगल टैक्सेस कंम्युनिकेशन कंपनी में इलेक्ट्रिक इंजीनियर हैं। 7 अक्ट्बर की शाम करीब साढ़े 6 बजे वे मकान के गेट पर ताला लगाकर अपने गांव कुलास खुर्द जिला सीहोर गए थे। वहां से सोमवार सुबह करीब आठ बजे अपने घर लौटे तो मकान के दरवाजे का कुंदा टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि कमरे की अलमारी का पूरा सामान बाहर फैला हुआ था। बदमाशद अलमारी में रखे उनकी पत्नी दीक्षा राठौर की सोने की 2 चूडी, तथा कान के 1 जोडी टास्प, व बच्ची की चांदी की एक जोडी पायल व नगदी अलमारी से चुराकर ले गए थे।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत
ज्योतिषाचार्य
व कुंडली
विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं.
7869267010
कॉलिंग नंबर
7415497010
shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022